●वर्ष : 16 ●अंक : 111 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

शुक्रवार 09 अगस्त 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

लोकसभा में अटका वक्फ संशोधन विधेयक

>> अब जेपीसी को भेजा जाएगा
>> ओम बिरला विपक्ष के नेताओं से करेंगे बात

>> वेणुगोपाल बोले- यह संविधान पर हमला

कांग्रेस सांसद के सी वेणुगोपाल ने कहा कि यह विधेयक संविधान पर हमला है। उन्होंने कहा कि विधेयक आस्था और धर्म के अधिकार पर हमला है। उनका तर्क है कि विधेयक महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड विधानसभा चुनाव की वजह से लाया गया है।

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ अधिनियम संशोधन विधेयक 2024 गुरुवार को लोकसभा में पेश किया। मगर यह लोकसभा में ही अटक गया। अब विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति (JPC) के पास भेजा जाएगा। विपक्षी दलों ने विधेयक पर आपत्ति दर्ज कराई। इसके बाद अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरेन रिजिजू ने इसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का प्रस्ताव रखा। केंद्र सरकार में सहयोगी चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी ने भी विधेयक को जेसीपी के पास भेजने की वकालत की।

>> अखिलेश बोले- यह सोची समझी राजनीति

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का कहना है कि भाजपा हताश और निराश कट्टर समर्थकों के खातिर यह विधेयक ला रही हैं। उनका कहना है कि यह सोची समझी राजनीति के तहत किया जा रहा है। सपा सांसद मोहिबुल्ला नदवी ने विधेयक के माध्यम से मुस्लिमों के साथ अन्याय होने की बात कही। नदवी का कहना है कि अगर यह कानून पारित हुआ तो अल्पसंख्यक खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे। कहीं ऐसा नहीं हो कि जनता दोबारा सड़कों पर आ जाए।

>> रिजिजू ने कहा- संविधान का उल्लंघन नहीं

विपक्ष के हर सवाल का अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि विधेयक में किसी धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है। न ही संविधान के किसी भी अनुच्छेद का उल्लंघन किया गया है। उन्होंने कहा कि वक्फ अधिनियम में संशोधन पहली बार नहीं हो रहा है। 1954 में पहली बार वक्फ विधेयक लाया गया था। समय-समय पर कई संशोधन हुए हैं। रिजिजू ने कहा कि विचार-विमर्श के बाद ही विधेयक लाया गया है। इससे मुस्लिम महिलाओं और बच्चों का कल्याण होगा।

>> विधेयक में क्या हैं प्रावधान?

विधेयक के मुताबिक वक्फ बोर्डों में मुस्लिम महिलाओं और गैर-मुस्लिमों को भी शामिल करने का प्रस्ताव है। विधेयक में वक्फ अधिनियम-1995 का नाम बदलकर एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास अधिनियम- 1995 करने का भी प्रावधान है। विधेयक में धारा 40 के हटाने का प्रावधान है। इसके तहत वक्फ बोर्ड को कोई संपत्ति वक्फ संपत्ति है या नहीं तय करने का अधिकार है।

>> ओम बिरला करेंगे समिति का गठन

एनडीए में शामिल जनता दल (यूनाइटेड) और तेलुगू देसम पार्टी (TDP) ने विधेयक का समर्थन किया। वहीं विपक्ष ने विधेयक को संविधान, संघवाद और अल्पसंख्यकों पर हमला है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सभी दलों के नेताओं से बात करके संयुक्त संसदीय समिति का गठन करेंगे।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

पडोसी देशों में भारत-विरोधी सरकारों के गठन की चिन्ता

भारत के पडोसी देशों में अस्थिरता एवं अराजकता का माहौल चिन्ताजनक है। बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के पड़ोसी मुल्कों में हुए हालिया अराजक, हिंसक एवं अस्थिरता के घटनाक्रमों से एक तस्वीर बनती है एवं एक सन्देश उभर कर आता है, वह है, चीनी के द्वारा भारत विरोधी सरकारों के गठन की साजिश। सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका में राजनीतिक उथल-पुथल और तख्तापलट के बाद अस्तित्व में आई सरकारों ने भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा कर दिए हैं। भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है। अब सवाल ये उठते हैं कि भारत के पड़ोसी देशों में हो रही इस अराजकता एवं अस्थिरता के कारण क्या हैं? यह सिर्फ एक संयोग है या फिर साजिश? क्या इसके पीछे चीन का हाथ है? क्या पाकिस्तान भी इसके लिये जिम्मेदार है? पड़ोसी देशों में पनप रही इस राजनीतिक अस्थिरता का भारत पर क्या असर होगा? इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में एक अर्से से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं। लगभग ऐसी ही स्थितियां चीन और पाकिस्तान ने मालदीव, नेपाल, अफगानिस्तान और श्रीलंका में खड़ी की है। हसीना का जाना या उनका निष्कासन चीन एवं पाकिस्तान की साजिशों का परिणाम है, जो भारत के लिए कई मायनों में झटका है। इसका यह मतलब भी है कि भारत ने पड़ोस में अपने इकलौते स्थिर साथी को अब खो दिया है। भारत अपने चारों ओर से बदहाल, कट्टरवादी, अराजक एवं अस्थिर पड़ोसियों से घिरा है। हमारे पड़ोस में अफगानिस्तान है, जिस पर कट्टरपंथी तालिबान का राज है।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

क्या बांग्लादेशी घुसपैठियों के आने के बाद कार्रवाई होगी?

एचसी का केंद्र सरकार से सवाल

नूना न्यूज एजेंसी

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस एसएन प्रसाद व जस्टिस एके राय की खंडपीठ में गुरुवार को झारखंड के संताल परगना प्रमंडल में बांग्लादेशी घुसपैठ को रोकने को लेकर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राज्य एवं केंद्र सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल नहीं किए जाने पर अदालत ने कड़ी नाराजगी जताई। अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि क्या केंद्र सरकार घुसपैठियों के देश में प्रवेश करने के बाद कार्रवाई करेगी? बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता है। ऐसे में बांग्लादेशी घुसपैठियों को भारत में आने से रोकने के लिए बीएसएफ को सीमा पर कड़ी निगरानी करनी होगी। यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। ऐसे में अगर जरूरत पड़ी तो केंद्रीय गृह सचिव से जवाब मांगा जा सकता है। अदालत ने इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक, बीएसएफ के डीजी, मुख्य निर्वाचन आयुक्त और यूआईडीएआई के महानिदेशक को प्रतिवादी बनाया है। सभी को नोटिस जारी कर पक्ष रखने को कहा गया है। अदालत ने आईबी से सीलबंद रिपोर्ट अदालत में पेश करने के लिए कहा है। राज्य और केंद्र सरकार को फिर से जवाब पेश करने के लिए कहा गया है। मामले की अगली सुनवाई 22 अगस्त को निर्धारित की गई है। सुनवाई के दौरान अदालत के आदेश के आलोक में छह जिलों देवघर, दुमका, गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़ और जामताड़ा के उपायुक्तों द्वारा जवाब दाखिल नहीं किए जाने पर कोर्ट ने राज्य सरकार से भी कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि जब संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठिए के आने की बात हो रही है, ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर अब तक जवाब क्यों नहीं दाखिल किया गया? अदालत को बताया गया कि संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठिए फर्जी ढंग से आधार कार्ड और वोटर कार्ड बना रहे हैं। वहां की आदिवासी लड़कियों से शादी कर उनकी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। अदालत ने राज्य सरकार से कहा कि सरकार को संथाल परगना जैसे इलाकों में औचक निरीक्षण कर लोगों के आधार कार्ड एवं वोटर कार्ड का सत्यापन करना चाहिए, ताकि घुसपैठियों की पहचान हो सके।

घुसपैठियों को तुरंत निकालना जरूरी, सरकारें मिलकर काम करें

अदालत ने कहा कि झारखंड में घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें तुरंत निकालना जरूरी है, नहीं तो घुसपैठिए झारखंड आते रहेंगे। राज्य सरकार को झारखंड के सीमावर्ती इलाकों में पुलिस फोर्स को मजबूत कर घुसपैठियों को रोकना होगा। अदालत ने कहा कि राज्य एवं केंद्र सरकार दोनों को देश एवं राज्य में घुसपैठ पर मिलकर काम करना होगा। पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने संथाल परगना के छह जिलों के उपायुक्तों की बजाय कनीय अधिकारियों द्वारा शपथपत्र दाखिल किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई थी।

'बांग्लादेश में जल्द हो शांति बहाली'

नई अंतरिम सरकार के गठन से पहले भारत ने साफ शब्दों में दिया संदेश

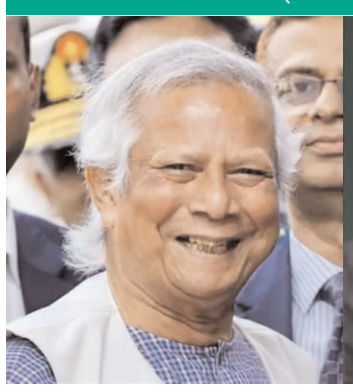

>> स्थानीय प्रशासन के साथ संपर्क में है उच्चायोग: जायसवाल

भारत की तरफ से बांग्लादेश में किये जाने वाले निवेश व भारतीय कंपनियों की वहां चलाई जा रही परियोजनाओं पर किसी तरह के असर को लेकर पूछे गये सवाल का जायसवाल ने सीधा जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि, 'भारत का उच्चायोग स्थानीय प्रशासन के साथ संपर्क में है। हम यहीं चाहते हैं कि ढाका में शीघ्रता से स्थिति सामान्य हो ताकि हम भारतीय हितों व बांग्लादेश की जनता के हितों को आगे बढ़ा सकें।

>> बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले पर क्या कहा?

जायसवाल से बांग्लादेश में हिंदुओं व उनके धर्मस्थलों पर हो रहे हमलों के बारे में भी पूछा गया, जिसके जवाब में उन्होंने कहा, 'वहां जो घटनाएं हुई हैं, उससे काफी क्षति होने की सूचना है, लेकिन हमारे पास इसका आकलन नहीं है। यह हर सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपने जनता को सुरक्षा देने का पूरा प्रबंध करे। बांग्लादेश में जितनी जल्दी शांति स्थापित होगी वह उसके लिए और इस पूरे क्षेत्र के लिए उतना ही बेहतर होगा।

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। ढाका में मोहम्मद यूनुस की अगुवाई में अंतरिम सरकार के गठन से कुछ ही घंटे पहले भारत ने एक अहम संदेश दिया है। संदेश यह है कि भारत बांग्लादेश के नागरिकों के हितों के मुताबिक ही काम करेगा। इसके साथ ही भारत ने उम्मीद जताई है कि बांग्लादेश में जल्द से जल्द शांति बहाली होगी, कानून-व्यवस्था फिर से स्थापित होगी ताकि भारत के हितों की भी रक्षा हो सके और बांग्लादेश के नागरिकों के हितों की भी रक्षा हो सके।

>> बांग्लादेश को लेकर भारत ने साफ किया अपना रूख

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल से साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बांग्लादेश में चल रहे घटनाक्रम के बारे में पूछा गया तो उनका जवाब था, 'वहां नई अंतरिम सरकार का गठन हो रहा है। हमारी उम्मीद है कि बांग्लादेश के हालात जल्द से जल्द सामान्य हो ताकि भारत का उच्चायोग भी सामान्य तरीके से काम कर सके। भारत की सरकार के लिए और भारत की जनता के लिए बांग्लादेश आवाम का हित सर्वोपरि है।

>> भारत के लिए बांग्लादेश की जनता का हित सर्वोपरि: विदेश मंत्रालय

जायसवाल ने पूरे प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तीन बार बांग्लादेशी जनता के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाली बात दोहराई। इसे भारत की तरफ से नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस की अगुवाई में गठित होने वाली अंतरिम सरकार को दिया जाने वाला पहला संदेश माना जा सकता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के उक्त बयान के जरिए भारत ने यह संदेश दिया है कि उसके लिए बांग्लादेश का कोई राजनेता व पार्टी नहीं बल्कि वहां की जनता का हित महत्व रखता है।

वो मुद्दे जिनके सहारे सरकार को घेरेगी कांग्रेस

पार्टी सांसदों की बैठक में राहुल गांधी ने बनाई खास रणनीति

>> गौरव गोगाई ने क्या बताया?

इस बैठक के बाद लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगाई ने बताया कि बांग्लादेश में मौजूदा स्थिति, चीन से जुड़े मसले, आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से लेकर संसद में कामकाज को लेकर इसमें चर्चा हुई। गोगोई ने इस बात की पुष्टि भी कि राहुल गांधी ने सांसदों से यह भी कहा गया है कि पार्टी की ओर से भी अलग-अलग विषयों पर बहस-चर्चा में तमाम सांसदों को बोलने का मौका दिया जाएगा।

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। संसद में मुख्य विपक्षी पार्टी के तौर पर प्रभावशाली भूमिका निभाने के लिए लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने गुरूवार को पार्टी सांसदों की बैठक में देश के प्रमुख ज्वलंत मुद्दों पर कांग्रेस की आवाज बुलंद बनाए रखने की रणनीति पर चर्चा की। इस दौरान बेरोजगारी-पेपर लीक, किसान, महंगाई से परेशान आमलोगों की समस्याओं से लेकर बांग्लादेश के हिंसक तख्तापलट और देश की सीमा पर चीन की चुनौतियों जैसे विषयों पर बातचीत हुई। बैठख में पार्टी सांसदों को इन मुद्दे के साथ अपने राज्य और इलाकों के मुद्दों को भी संसद में प्रमुखता से उठाने की सलाह देते हुए कहा गया कि लोकसभा में मुद्दे उठाने वाले सदस्यों की सक्रियता का आकलन किया जाएगा। लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल का नेता नियुक्त किए जाने के बाद से राहुल गांधी ने पार्टी के सभी लोकसभा सांसदों की यह बैठक बुलाई थी।

>> तैयार होगी सांसदों के कामकाज की रिपोर्ट

सूत्रों ने बताया कि पार्टी अपने सदस्यों के लोकसभा में कामकाज और सक्रियता का आकलन करने के लिए एक अंदरूनी व्यवस्था बना रही है जो सांसदों के कामकाज का आकलन रिपोर्ट तैयार करेगी। पार्टी के वरिष्ठ सांसदों और नेताओं की यह निगरानी समिति सदन में सक्रिय रहने वाले सदस्यों की एक मानक कसौटी पर प्रदर्शन का आकलन करेगी। लोकसभा में पार्टी सांसदों की इस बैठक में राहुल गांधी और गोगोई के साथ लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक डीके सुरेश और कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे।

हिमाचल-उत्तराखंड सहित कई राज्यों में होगी भारी बारिश

आईएमडी ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में भारी बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग (IMD) ने कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। क्टऊने अपने ताजा अपडेट में बताया कि पूर्वोत्तर एवं पूर्वी भारत और पश्चिम हिमालय क्षेत्र में भारी हो सकती है। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार सहित कई राज्यों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत और पश्चिम हिमालय क्षेत्र में अगले सात दिनों के दौरान भारी बारिश हो सकती है। वहीं, पूर्वी भारत में अगले 3-4 दिनों के दौरान कई जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, प्रायद्वीपीय भारत में अगले सात दिनों के दौरान बारिश की गतिविधियों में कमी देखने को मिल सकती है। IMD के अनुसार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश के कई हिस्सों में आज भारी बारिश हो सकती है। विभाग ने इस सभी राज्यों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। विभाग ने अपने अलर्ट में बताया कि उत्तराखंड के लिए अगले चार से पांच दिन काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाले हैं। IMD ने उत्तराखंड में 10 से 14 अगस्त तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में कुछ जगहों पर बूंदाबांदी और हल्की वर्षा हुई, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से तो राहत मिली है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली-NCR में गुरुवार को भी सामान्यतया बादल छाए रहेंगे।

'जिला जजों को केवल 15,000 रुपये पेंशन मिल रही'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मुद्दे का जल्द समाधान करे केंद्र

>> 60 साल बाद वकालत भी नहीं कर सकते

जिला न्यायाधीश हाईकोर्ट में आते हैं और आमतौर पर उन्हें 56 और 57 वर्ष की आयु में हाई कोर्टों में पदोन्नत किया जाता है और वे 30,000 रुपये प्रति माह पेंशन को लेकर सेवानिवृत्त होते हैं।' सीजेआई ने कहा कि 60 वर्ष की आयु होने पर वे वकालत भी नहीं कर सकते।

>> जिला न्यायाधीशों कितनी मिलती है पेंशन

सीजेआई ने कहा कि इनमें से कुछ मामले बहुत पेचीदा हैं। उन्होंने कैंसर से पीड़ित एक जिला न्यायाधीश के मामले का उल्लेख किया और कहा कि पेंशन से संबंधित शिकायतों को उठाते हुए जिला जजों द्वारा सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की जा रही हैं। पीठ ने कहा कि 'जिला न्यायाधीशों को केवल 15,000 रुपये पेंशन मिल रही है।

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जिला न्यायाधीशों को दी जा रही बहुत कम पेंशन से संबंधित मुद्दों का केंद्र से जल्द से जल्द समाधान करने को कहा। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि 'हम जिला न्यायपालिका के संरक्षक होने के नाते आपसे (अटार्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल) आग्रह करते हैं कि आप न्यायमित्र के साथ बैठकर कोई रास्ता निकालें।

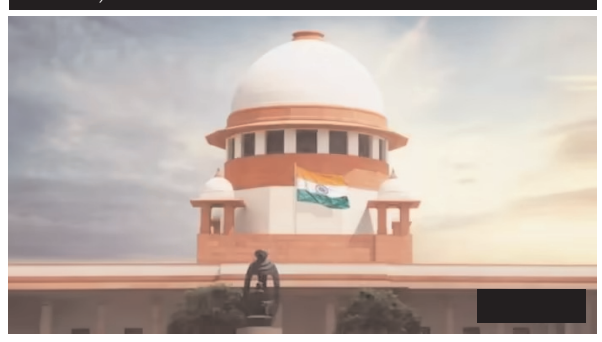

>> 27 अगस्त तक सुनवाई टली

केंद्र की ओर से पेश अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस मामले में कुछ समय मांगा। इस पर पीठ ने सुनवाई 27 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के लिए कल्याणकारी उपायों के क्रियान्वयन की मांग करने वाली याचिका ऑल इंडिया जज एसोसिएशन की ओर से दायर की गई है।

मॉस्को अंतरराष्ट्रीय रेत मूर्तिकला चैंपियनशिप में जीता गोल्ड मेडल

पीएम से कि मुलाकात

नूना न्यूज एजेंसी

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अंतरराष्ट्रीय रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने मुलाकात की है। सुदर्शन पटनायक ने 12 जुलाई को रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय रेत मूर्तिकला चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने कहा कि 'एक कलाकार के तौर पर यह मेरे लिए गर्व का दिन है। दुनिया भर से 21 मूर्तिकारों ने चैंपियनशिप में हिस्सा लिया और मैंने भगवान जगन्नाथ के भक्त बलरामदास की मूर्ति बनाई। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे बुलाया, मेरा स्वागत किया और मेरा सम्मान किया। यह हर कलाकार और उपलब्धि हासिल करने वाले के लिए उत्साहजनक होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय रेत मूर्तिकला चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक के साथ गोल्डन सैंड मास्टर पुरस्कार जीतने के लिए शनिवार को रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक को भुवनेश्वर में अपने आवास पर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि जहां पटनायक की प्रतिभा ने उन्हें व्यक्तिगत स्तर पर प्रसिद्ध किया है, वहीं इसने ओडिशा को भी गौरवान्वित किया है। सीएम ने कहा, "वह ओडिशा और देश का गौरव हैं। सीएम माझी ने कहा कि कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में जीत हासिल करने के बाद, पटनायक रेत कला में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में उन्हें और भी प्रसिद्धि मिलेगी।

सार संक्षेप

इस साल 8वें इंडिया इंटरनेशनल फुटवियर फेयर में 200 से ज्यादा कंपनियां हिस्सा लेंगी

नई दिल्ली: कंफेडरेशन ऑफ इंडियन फुटवियर इंडस्ट्रीज (सीआईएफआई) ने अपने बहुचर्चित इंडिया इंटरनेशनल फुटवियर फेयर (आईआईएफएएफ) के 8वें संस्करण की घोषणा कर दी है। इस मेले का आयोजन दिल्ली के भारत मंडपम में 8 अगस्त से 10 अगस्त तक किया जाएगा। पिछले संस्करणों की सफलता को देखते हुए, यह मशहूर वार्षिक बी2बी आयोजन फुटवियर उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म बना रहेगा। यह कंपनियों को अपने नए-नए डिजाइन तथा प्रोडक्ट्स प्रदर्शित करने का अनूठा अवसर उपलब्ध कराता है। इसके कर्टेन रेजर इवेंट का आयोजन आज सुबह किया गया था, जिसमें कंफेडरेशन ऑफ इंडियन फुटवियर इंडस्ट्रीज (सीआईएफआई) के प्रतिनिधियों, इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन (आईटीपीओ) के सदस्यों और आईआईएफएफ आयोजन समिति ने इसके प्रतिभागियों को मिलने वाले अवसरों के बारे में चर्चा की।

पति ने की पत्नी की डंडों से पीटकर हत्या

समालखा : गांव महावटी में बुधवार को पति ने अपनी पत्नी को डंडों से पीटकर हत्या कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव महावटी निवासी बिजेंद्र की शादी करीब 12 साल पहले मनीषा के साथ हुई थी। इन दोनों का एक बेटा भी है। इन दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। वहीं बुधवार को बिजेंद्र ने झगड़े के बीच मनीषा पर डंडों से हमला कर दिया। हमले में मनीषा की मौत हो गई। मनीषा की मौत के बाद आरोपी पति बिजेंद्र फरार हो गया। इधर घटना की सूचना मिलने पर थाना समालखा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने एफएसएल की टीम पर भी जांच करवाई। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने मनीषा के शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए पानीपत के सिविल अस्पताल भिजवा दिया। दूसरी ओरए समालखा थाना प्रभारी नीरज ने बताया कि गांव महावटी में बिजेंद्र ने अपनी पत्नी मनीषा की पीट कर हत्या कर दी है। वहीं मनीषा के भाई की शिकायत पर बिजेंद्र पर केस दर्ज किया गया है। बिजेंद्र फरार है पुलिस उसकी तलाश का रही है जल्द ही बिजेंद्र को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सोनीपत में सिंचाई विभाग के जेई से हुई धक्का-मुक्की : नहरी पानी चोरी पकड़ी थी

सोनीपत : हरियाणा के सोनीपत में सिंचाई विभाग के एक कनिष्ठ अभियंता को ड्यूटी के दौरान कुछ ग्रामीणों ने कस्सी से काट कर शव नहर में बहा देने की धमकी दी है। वे खरखौदा क्षेत्र में नहरी पानी की चोरी रोकने के लिए साथी कर्मी के साथ चेकिंग कर रहे थे। थाना खरखौदा पुलिस ने जेई की शिकायत पर जान से मरने की धमकी देने, सरकारी ड्यूटी में बाधा डालने सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई। थाना खरखौदा के एएसआई संजय कुमार ने बताया कि जे संजय की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी किसान के खिलाफ धारा 221/132/351 (2)/3 (5) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर लिया है और मामले की गहनता से जाँच की जा रही है।

हथनी कुंड बैराज के पास बाइक सवार युवक की मौत

यमुनानगर : हथनी कुंड बैराज के उत्तर प्रदेश के सहारनपुर एरिया में सडक दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के गांव बोंदकी निवासी 32 वर्षीय संजय त्यागी के रूप में हुई। वह लगभग छह वर्ष से परिवार के साथ छछरौली में रह रहा था। संजय त्यागी बहन का सिंधारा लेकर मुजफ्फरनगर जाने के लिए निकला। जब वह हथनी कुंड बैराज पर सहारनपुर की ओर गांव भड़ती के पास पहुंचा तो किसी वाहन ने उसे टक्कर मार दी। वहां से गुजर रहे राहगीरों ने उसे प्रतापनगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दाखिल कराया। जहां उसे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और घटनास्थल सहारनपुर का होने की वजह से जीरो एफआइआर दर्ज कर वहां ट्रांसफर कर दिया।

इस्लामिक सेंटर में किसी की विचारधारा नहीं चलती, सदस्य जो चाहेंगे वही होगा: डॉ. माजिद अहमद तालिकोटी

डॉ. माजिद अहमद तालिकोटी बोलते हुए

नई दिल्ली: इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर के चुनाव के दौरान ओखला में सिराजुद्दीन पैनल की बैठक हुई, जिसमें सदस्यों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया और अपने समर्थन का ऐलान किया. सदस्यों को संबोधित करते हुए सिराजुद्दीन कुरेशी ने कहा कि 20 वर्षों तक मैंने सेंटर के लिए जो सेवाएं दी हैं, वह किसी से छिपी नहीं है मैंने इस सेंटर को हर तरह की राजनीति से दूर रखा, राजनीतिक अड्डा नहीं बनने दिया। उम्र के मुद्दे पर कुछ लोग उन को कोर्ट तक ले गए, जिसके कारण आज सेंटर सरकार के हाथ में चला गया. हमें बताएं कि क्या हमारे सेंटर में बुद्धिजीवियों, न्यायाधीशों, वकीलों की कमी है , क्या अदालत में जाने से पहले इन लोगों से परामर्श नहीं किया जा सकता था, उन लोगों के कारण, सेंटर को करीब डेढ़ करोड़ रुपये का नुकसान हुआ. मैंने बहुत सोच-विचार और परामर्श के बाद डॉ. माजिद को अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार बनाया है और मैं इस सेंटर को कभी भी ऐसे व्यक्ति के हाथों में नहीं दूंगा जिसकी सोच मुसलमानों से अलग हो। डॉ. माजिद अहमद तालिकोटी ने सदस्यों को धन्यवाद दिया और कहा कि मैं एक डॉक्टर हूं, मैं कैंसर का इलाज करता हूं, जो मेरे पास आता है मैं उसका धर्म नहीं देखता, मैं सभी की सेवा करता हूं. उन्होंने कहा कि यह केंद्र सेंटर सदस्यों का है, यह देश का है, यह इस देश के लोगों का है। इस सेंटर में वही काम होगा जो सदस्य चाहेंगे, यहां किसी की विचारधारा नहीं थोपी जा सकती, अगर किसी भी विचारधारा का व्यक्ति यहां आता है तो जो सदस्य चाहेंगे वही होगा, वही निर्णय होगा । अब विरोधियों के पास इसके अलावा कोई मुद्दा नहीं है, वे हर जगह एक विचारधारा की बात करके सदस्यों को डराने की कोशिश कर रहे हैं, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि इस्लामिक कल्चरल सेंटर का हर सदस्य बौद्धिक और उच्च शिक्षित है वह किसी के बहकावे में आने वाला नहीं है. इसलिए विरोधियों को इस मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए और बताना चाहिए कि इसे अदालत में ले जाने के अलावा उन्होंने अब तक सेंटर के लिए क्या किया है।

वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 स्वीकार्य नहीं: जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द

नई दिल्ली, 08 अगस्त: जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के अमीर (अध्यक्ष) सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने संसद में पेश होने वाले संशोधित वक्फ विधेयक की आलोचना करते हुए कहा है कि यह मुस्लिम समुदाय को स्वीकार्य नहीं है। मीडिया को जारी एक बयान में उन्होंने कहा, हम नए यूडब्ल्यूएमईईडी अधिनियम (UWMEED Act) के माध्यम से सरकार द्वारा वक्फ अधिनियम, 1995 में प्रस्तावित संशोधनों का विरोध करते हैं। सकारात्मक प्रतीत होने वाले आद्याक्षर शब्दों के बावजूद प्रस्तावित परिवर्तनों का उद्देश्य सेवा प्रदान करने वाले समुदायों और वक्फ संपत्तियों की स्वायत्तता और अखंडता को कम करना है। यह मुस्लिम समुदाय को स्वीकार्य नहीं है। हमारा मानना है कि यह कानून वक्फ के स्थापित कानूनी ढांचे को खत्म करने के लिए बनाया गया है, जो धार्मिक अल्पसंख्यकों को संवैधानिक रूप से गारंटीकृत अधिकार को लक्षित करता है। जबकि संविधान उन्हें अपने समुदाय की विरासत और धार्मिक प्रथाओं का संचालन और संरक्षण करने की अनुमति देता है। प्रस्तावित विधेयक एक प्रकार का "कलेक्टर राज" है, जो कलेक्टरों को वक्फ संपत्तियों पर अभूतपूर्व अधिकार प्रदान करता है। यह बदलाव न केवल वक्फ धर्मशास्त्र की अंतिमता और निर्णायकता को कमजोर करता है, बल्कि उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ की अवधारणा को भी खत्म कर देता है। वर्तमान कानून के तहत, वक्फ संपत्ति से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा एक वर्ष के भीतर किया जाना चाहिए, लेकिन संशोधन से यह अवधि बढ़ जाएगी, जिससे भ्रम और कानूनी विवाद पैदा होंगे। यह जानना चिंताजनक है कि इस विधेयक को, इसके व्यापक प्रावधानों के साथ, प्रमुख हितधारकों के साथ सार्थक परामर्श के बिना ही तैयार किया गया था। विधेयक के उद्देश्यों और कारणों के विवरण में सुधार की आवश्यकता को स्वीकार किया गया है, लेकिन ऐसे व्यापक परिवर्तनों को उचित ठहराने में विफल रहा है। यदि वक्फ धर्मशास्त्र के विशेषज्ञों के साथ कोई वास्तविक परामर्श किया गया होता, तो यह स्पष्ट हो जाता कि वक्फ को पुनर्परिभाषित करना विधायी क्षेत्राधिकार से परे है और मुस्लिम पर्सनल लॉ में गहराई से निहित है। हम मीडिया में किए गए दुष्प्रचार के दावों का खंडन करना चाहते हैं कि वर्तमान वक्फ बोर्ड अधिनियम अन्य धार्मिक समुदायों की भूमि हड़पता है। ये झूठे दावे मनगढ़ंत और निराधार हैं। वक्फ बोर्ड सरकार द्वारा अनुमोदित कानूनों के तहत कानूनी रूप से काम करता है और सरकार द्वारा इसकी निगरानी की जाती है।

डायबिटीज पर बनने जा रही फिल्म

क्यों नहीं विकसित हो पा रही डायबिटीज की सटीक दवायें?

उषा/मीनाक्षी/मधुबाला

नयी दिल्ली, 8 अगस्त 2024 (एजेंसी)। अनियंत्रित खान पान एवं जीवन शैली से डायबिटीज रोग विश्व के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। इस रोग से औसतन 10 लाख लोग दुनियांभर में मारे जा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व में इस समय 42.2 करोड़ लोग डायबिटीज यानी मधुमेह से पीड़ित हैं।बीते चार दशकों में मधुमेह की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या चार गुना बढ़ गई है।भारत में भी करोड़ों लोग इससे पीड़ित हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य केरल एवं गोवा है,शिक्षा के साथ लोगों के जीवन शैली में काफी परिवर्तन आया है। यह एक ऐसी बीमारी के तौर पर उभरी है,जो बेहद तेजी से बच्चों से लेकर

युवाओं को अपनी चपेट में ले रही है।दरअसल यह बीमारी तब होती है,जब शरीर के अंदर रक्त में ग्लूकोज या शुगर की मात्रा जमा होने लगती है। सुप्रसिद्ध वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. गिरिजेश रस्तोगी कहते हैं, कि इस रोग का 5 हजार वर्षों से अधिक का इतिहास है। प्राचीन समय में इसे मधुमेह के रूप में जाना जाता था और इसके रोगियों की संख्या बहुत कम होती थी, लेकिन ज्यों ज्यों लोगों के जीवन शैली में बदलाव आया है। खान पान एवं रहन सहन अनियंत्रित हुए हैं,इस रोग का प्रचार प्रसार दुनियांभर में तेजी से हुआ है। उन्होंने कहा कि इस रोग की वजह से इससे लोगों को हार्ट अटैक,अंधापन, किडनी फेल और पैरों के निष्क्रिय होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।यह रोग आजकल कम उम्र के लोगों को भी होने लगा है।

डीएचएल ने रक्षाबंधन के अवसर पर राखी एक्सप्रेस लॉन्च किया, जिसमें ग्राहकों को 50% तक की छूट दी जा रही है।

ये छूट 700 से अधिक उच्छ रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध है,जहाँ ग्राहक व्यक्तिगत रूप से जाते हैं या जहां ऑनलाइन अपने शिपमेंट भेजते हैं।

गुरूग्राम, 07 अगस्त 2024: डीएचएल एक्सप्रेस,जो अंतर्राष्ट्रीय एक्सप्रेस सेवाओं का विश्वस्तरीय अग्रणी प्रदाता है, रक्षाबंधन की खुशी बढ़ाने के लिए अपने रिटेल ग्राहकों को विशेष ऑफर और छूट दे रहा है। ये 19 अगस्त 2024 तक मान्य हैं,इनमें ग्राहक 0.5 किलोग्राम से 20 किलोग्राम तक के राखी और उपहार शिपमेंट्स को विश्वस्तर पर भेजने के लिए छूट और प्रमोशन पा सकते हैं।ये ऑफर डीएचएल के 700 से अधिक रिटेल सेवा बिंदुओं के व्यापक नेटवर्क और इसकी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।आजकल लोग अपनी बेहतर शैक्षिक अवसरों,अच्छा करियर बनाने, या जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास करते हैं। जिसके परिणामस्वरूप, परिवार अक्सर त्योहार के अवसरों पर दौरान एक-दूसरे से दूर होते है,रक्षाबंधन' का त्योहार भाई-बहनों के बीच प्रेम और सुरक्षा के बंधन की खुशी मनाने के लिए परिवारों में एकजुटता का भाव भरता है डीएचएल एक्सप्रेस 'राखी एक्सप्रेस' के माध्यम से इस त्योहार को मनाने वाले परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य रखता है, इसलिए खासकर इस त्यौहार के लिए तैयार किए गए प्रेम और खुशी का संदेश देने वाले उपहार भेजने के लिए 50% तक की छूट दी जा रही है। राखी एक्सप्रेस,एक दिल से दी जाने वाली सेवा है जो हम हर साल अपने ग्राहकों को देते हैं। इसका बहुत महत्व है क्योंकि यह रक्षाबंधन के खुशी के त्योहार के दौरान परिवारों के बीच की भौगोलिक दूरी को पाटता है। डीएचएल एक्सप्रेस इंडिया में, हमारा सूत्रवाक्य 'लोगों को जोड़ना,जीवन को बेहतर बनाना' हैं,और राखी एक्सप्रेस हमारी इस प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

मुकुंदरा हिल्स और रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में बाघ एवं बाघिन स्थानांतरित किए जाएंगे।

नई दिल्ली 8 अगस्त 2024 संसद भवन में गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला की अध्यक्षता और केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री भूपेंद्र यादव की उपस्थिति में आयोजित बैठक में राजस्थान के वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री संजय शर्मा ने राज्य में वन एवं वन्य जीवों की सुरक्षा और उनसे जुड़ी हुई समस्याओं के समाधान पर विस्तार से अपना पक्ष रखा। इस बैठक में विशेष रूप से कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र के वन्य जीवन से संबंधित विभिन्न विषयों को लेकर वन विभाग व एनटीसीए के अधिकारियों के साथ विस्तार से विमर्श हुआ। श्री संजय शर्मा ने बताया कि बैठक में कोटा के मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व व बूंदी के रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में बाघ व बाघिन शिफ्ट करने का निर्णय हुआ साथ ही प्रदेश के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में नए एनक्लोजर व आवश्यक सुविधाएं भी विकसित किए जाने पर भी निर्णय लिया गया। बैठक के बाद मंत्री श्री संजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हमारी सरकार वनों के विकास और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

अखिल भारतीय राजभाषा दो दिवसीय सम्मेलन सम्पन्न हुआ

संवाददाता

नोएडा – 8 अगस्त 24 अखिल भारतीय राजभाषा दो दिवसीय सम्मेलन बैंक ऑफ इंडिया,प्रधान कार्यालय द्वारा स्टाफ प्रशिक्षण महाविद्यालय नोएडा में सफलता पुवर्क समपन्न हो गया। सर्व विदित रहे कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन में बैंक ऑफ इंडिया के सभी अंचलों के राजभाषा अधिकारी उपस्थित हुए। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में प्रधान कार्यालय से पधारे बैंक ऑफ इंडिया के कार्यपालक निदेशक राजीव मिश्रा, महाप्रबंधक, बिश्वजित मिश्र, महाप्रबंधक, नई दिल्ली लोकेश कृष्णा, आंचलिक प्रबंधक, गाजियाबाद अंचल कुमार प्रशांत,प्राचार्य अनुराग त्रिपाठी, एवं सहायक महाप्रबंधक, राजभाषा सुश्री मऊ मैत्रा की उपस्थिति में द्वीप प्रज्वलन कर

कार्यकम का शुभारंभ किया गया। सर्व प्रथम बिश्वजित मिश्र ने सभी का स्वागत करते हुए इस आयोजन के उद्देश्य से सभी को अवगत कराया तथा वर्ष भर राजभाषा कार्यान्वयन में की गई गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की।बैंक ऑफ इंडिया के कार्यपालक निदेशक राजीव मिश्रा ने उपस्थित सभी अधिकारियों से बैंक में राजभाषा के अधिक से अधिक प्रयोग करने की अपील की। सम्मेलन के दौरान, मंचासीन की गरिमामयी उपस्थिति में ई-लर्निंग मॉड्यूल,ऑनलाइन शाखा राजभाषा निरीक्षण प्रोफार्मा एवं बैंक की गृह पत्रिका बीओआई वार्ता का विमोचन किया गया। साथ ही राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अंचलों को पुरस्कार वितरित किए गए। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान उपस्थित राजभाषा अधिकारियों को संसदीय राजभाषा समिति की संशोधित निरीक्षण प्रश्नावली पर जानकारी प्रदान की गई, साथ ही भारत सरकार, राजभाषा विभाग द्वारा तैयार की गई कंठस्थ 2.0 अनुवाद सारथी पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में, श्री अनुराग त्रिपाठी, प्राचार्य, स्टाफ प्रशिक्षण महाविद्यालय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

गडकरी की तरह सभी मंत्री हो जाएं तो देश का उद्धार हो जाए: कीर्ति आजाद

दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के कार्यों की सराहना करते हुए लोकसभा में कहा कि अगर सरकार के सभी मंत्री उनकी तरह हो जाएं तो देश का उद्धार हो जाएगा। आजाद ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से संबंधित पूरक प्रश्न पूछते हुए यह टिप्पणी की। पश्चिम बंगाल के वर्धमान दुर्गापुर से लोकसभा सदस्य आजाद ने कहा, वह (गडकरी) जिस तरह से काम करते हैं, उसके लिए केवल मैं नहीं, पूरा सदन उनका कायल है। काश बाकी मंत्री भी ऐसे ही हो जाएं तो देश का उद्धार हो जाए। उनके इस कथन के बाद कई सदस्यों ने मेजें थपथपाईं।

प्रतिबंध के बावजूद धड़ल्ले से हो रही बिक्री

घातक साबित हो रही है चाइनीज डोर

- प्रतिबंध के बावजूद धड़ल्ले से हो रही बिक्री

कथल, अगस्त : हर साल की तरह इस बार भी तीज पर शहर में हुई पतंगबाजी के बीच करीब आधा दर्जन लोग चाइनीज डोर की चपेट में आ कर जख्मी हो गए। इनमें सीवन गेट निवासी 10 साल के बच्चे को अधिक चोट लगी। बुधवार पतंगबाजी में प्रयोग किए चाइनीज डोर के कारण 10 वर्षीय सीवन गेट निवासी जीवन, गांव फ्रांसवाला निवासी दिव्यम, गढ़ी निवासी दिनेश और संगतपुरा निवासी संजय सहित अन्य दो युवक चाइनीज डोर का शिकार हो गए। बता दें कि जीवन रक्षक दल और शहर के अन्य लोगों ने डीसी को चायनीज डोर पर रोक लगाने के लिए खून से पत्र भी लिखा था परंतु तीज पर्व से पहले जिला प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। आज हुए हादसों के तुरंत बाद प्रशासन जागा। इसके बाद एडीसी सी.जया श्रद्धा ने चाइनीज डोर पर रोक लगाने के तुरंत ही आदेश किए जारी।

ज्ञात हो कि पिछले तीन साल से तीज पर्व पर हर वर्ष शहर में कई लोग चाइनीज माझा की चपेट में आते हैं। जीवन रक्षक दल के संरक्षण राजू डोहर ने बताया कि चाइनीज डोर हर साल कई लोगों की जान पर भारी पड़ रही है। कई लोगों के गले, हाथ, नाक और कान कट रहे हैं। बुधवार शाम के समय प्रशासन की ओर से लगाए गए पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद डोर बिकती रही।

चाइनीज डोर से ये हुए घायल

सीवन गेट निवासी चमन ने बताया कि उसका बेटा जीवन सीवन गेट पर ही बाजार में एक दुकान से कुछ सामान लेने के लिए गया था। वह साइकिल पर यह सामान लेने गया था। उस दौरान उसके गले के पास से कटी हुई पतंग का माझा गया। इसके बाद जीवन ने हाथ से उसे हटाया तो उसका हाथ पर चाइनीज माझा लग गया। उसके हाथ पर दो से तीन टांके आए है। गांव फ्रांसवाला निवासी युवक दिव्यम ने बताया कि वह चंदाना गेट से फ्रांसवाला रास्ते से शहर की तरफ बाइक पर आ रहा था। चंदाना गेट के पास अचानक ही चाइनीज माझा ने उसका गला चीर दिया। संगतपुरा निवासी संजय ने बताया कि वह भी शहर में किसी जरूरी काम से आया था। बाजार में उड़ रही पतंगों के दौरान चाइनीज माझा से उसे चोट लग गई। गढ़ी निवासी दिनेश को भी अर्जुन नगर में चीका रोड से गुजरते हुए काफी अधिक चोट लगी है। दिनेश के परिजनों के अनुसार वह बाइक पर ही जा रहा था तो चाइनीज माझा से मुंह से अधिक चोटें लगी है। इस दौरान उसे मुंह पर करीब 50 टांके लगे हैं। वहीं, अन्य दो युवकों को भी चाइनीज माझा से अधिक चोट लगी है।

सोनिया गांधी से मिलीं ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर

पेरिस। ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर ने बुधवार को कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी से मुलाकात की। सूत्रों का कहना है कि सोनिया गांधी ने उन्हें बधाई दी और भविष्य की खेल प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। कांग्रेस ने इस मुलाकात की तस्वीर जारी की है। मनु भाकर (22) ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य और फिर सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता। वह स्वतंत्रता के बाद किसी एक ओलंपिक खेल में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी है। उनसे पहले, केवल ब्रिटिश मूल के भारतीय एथलीट नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 ओलंपिक में 200 मीटर स्प्रिंट और 200 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीतकर यह उपलब्धि हासिल की थी।

कलेक्ट्रेट पर गरजी भाकियू शंकर, ट्रैक्टर काफिले संग पहुंचे, मांगो को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा। गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन (शंकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह के नेतृत्व में संगठन के हजारों कार्यकताओं ने विभिन्न मांगों को लेकर अमरोहा कलेक्ट्रेट पर धरना-प्रदर्शन, पैदल मार्च निकाला व अपनी मांगों को लेकर डीएम को एक ज्ञापन भी सौंपा है। इस दौरान वहां पर मौजूद कार्यकताओं ने अपनी मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी भी की। दोपहर 11:00 बजे से भारतीय किसान यूनियन (शंकर) का ये धरना-प्रदर्शन चौधरी देवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में शुरू हुआ जिसका संचालन जिला अध्यक्ष सतपाल गुर्जर ने किया। वहीं दोपहर 1:00 बजे जिलाधिकारी , अपर जिलाधिकारी, क्षेत्रीय बैंक प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक गजरौला व अमरोहा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी अमरोहा,डीडीएग्रीकल्चरअमरोहा, नोडल अधिकारी अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड अमरोहा से संगठन के प्रतिनिधिमंडल द्वारा किसान समस्याओं को लेकर वार्ता हुई । इस वार्ता के दौरान अधिकारियों ने बताया कि बकाया गन्ना मूल्य भुगतान किसानों के खाते में डाला जाएगा । जोया टोल प्लाजा को समाप्त किया जाना चाहिए। इसके अलावा रुखालू शाखा में जो एक दिन पहले बैंक मैनेजर ने किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड से 1640 रुपए निकाले थे वह सारे पैसे वापस कर दिए गए हैं संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई की गई है जलालपुर उम्र में जो जमीन शिक्षा विभाग की है उसे पर स्टेडियम बनाया जाएगा वहीं भाकियू शंकर के प्रतिनिधिमंडल को जिलाधिकारी महोदया ने किसानों की सभी समस्याओं का समाधान कराने का भरोसा दिलाया है। इस दौरान अनिल भटनागर,डॉ भाग सिंह, अशोक, सुखबीर भगत ,तेजपाल सिंह, हितेश यादव, उमेश पाल सिंह, नरपत सिंह मुखिया जी,अंकित चौधरी, राकेश धीरज उदयवीर सिंह पहलवान शेर सिंह राणा निसार बबीता रानी, मनजीत कौर,जॉनी अशोक चौधरी,उषा शर्मा, पूनम सैनी,संगीता रानी वीरपाल सिंह विलोकपाल सिंह देवेंद्र सिंह राजवीर सिंह, नवलवीर सिंह सुरेंद्र सिंह नेमपाल सिंह सत्येंद्र सिंह धर्मेंद्र सिंह मनजीत सिंह कपिल,सोनू सिंह चमन सिंह नरेश भगत जी हरपाल प्रधान जी,विजयपाल सिंह,धीरज सिंह, दीपक गुर्जर डॉ योगेंद्र सिंह राकेश रतनपुर प्रधान सुखबीर सिंह आदि हजारों किसान मौजूद रहे।

ग्राम प्रधान पद के उपचुनाव में कैला देवी एवं नीतू सिंह ने जीत दर्ज कराई

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर /रहरा। गुरुवार को हसनपुर तहसील क्षेत्र के दो ग्राम पंचायत में हुए उपचुनाव के नतीजे गुरुवार को घोषित कर दिए गए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वोटो की गिनती की गई जिसमें तहसील क्षेत्र के गांव तरारा निवासी केला देवी पत्नी राम रतन सिंह ने अपनी प्रतिद्वंद्वी चंद्रावती पत्नी नरेंद्र सिंह को 138 मतों से हरा कर विजय हासिल की,बताते चले कि उपचुनाव में ग्राम प्रधान पद हेतु चार प्रत्याशी खड़े हुए थे। 2021 वोटो में से 1521 मत पड़े, जिसमें 61 मत कैंसिल पाए गए, मुनेश को 11, क्रांति को 395, तथा चंद्रावती को 458 एवं केला देवी को 596 मत मिले। चुनाव एआरओ राजीव कुमार ने नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान केला देवी को ग्राम पंचायत तरारा प्रमाण पत्र सौंप दिया। वहीं समर्थकों द्वारा उनका फूल मालाएं भेंट कर स्वागत किया, उधर रहरा ब्लॉक क्षेत्र के गांव जयतौली में हुए चुनाव के दौरान करीब 4 हजार के पोलिंग पर अलग-अलग 9 प्रत्याशी खड़े हुए थे। जिसमें नीतू सिंह पत्नी अबरार को 1561 एवं सोनम पत्नी नाजिम को 1492 तथा ईश्वर चंद्र को 970 समेत अन्य प्रत्याशियों को आधा दर्जन तथा उससे भी कम मत मिले हैं। वहीं 69 वोटो से जीत हासिल करने वाली नीतू सिंह पत्नी अबरार अहमद को चुनाव एआरओ विनय कुमार अग्रवाल आपूर्ति अधिकारी ने प्रमाण पत्र सौंप दिया। इसके बाद नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान नीतू सिंह के समर्थकों ने फूलमालाएं भेंट कर उनका स्वागत किया, सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से शांतिपूर्ण रूप से मतगणना संपन्न हो गई। वहीं निर्वाचित ग्राम प्रधान केला देवी एवं नीतू सिंह को बधाइयां देने वालों का तांता लगा हुआ है। बताते चलें कि इस बीच भारी पुलिस बल सुरक्षा की दृष्टि से मौजूद रहा।

किशोर मंच कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र/छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

ब्यूरो रिपोर्ट-जनार्दन श्रीवास्तव

पाली-(हरदोई)। पाली नगर स्थित सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कॉलेज में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य मंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली की डॉ मालती शुक्ला ने सर्वप्रथम किशोर-किशोरियों के स्वास्थ्य पर चर्चा की। उन्होंने मंच के माध्यम से छात्र/ छात्राओं को किशोर स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी गई और साथ ही छात्राओं को शारीरिक व मानसिक समस्याओं को लेकर अपनी झिझक को तोड़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान उन्हें शारीरिक बदलावों से परिचित कराते हुए किशोरावस्था में होने वाली समस्याओं से भी अवगत कराया।इसके साथ ही निराकरण की भी जानकारी दी गई। आपको बता दें कि गुरुवार को कालेज में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सबसे पहले छात्र/छात्राओं के स्वास्थ्य की जाँच की। इस दौरान डॉ रघुनाथ अग्निहोत्री ने बताया कि राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 10 से 19 वर्ष तक के किशोर/किशोरियों को स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से समुदाय स्तरीय सेवाएं प्रदान की जाती हैं।इस कार्यक्रम के अंतर्गत शिशु मृत्यु दर एवं कुल प्रजनन दर को कम करने के लिए किशोर प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य को एक मुख्य घटक माना गया है। जिससे इसको मुख्य धारा में जोड़ा जा सके। इसके अंतर्गत स्वास्थ्य उन्नयन,किशोरों में पोषण, आकस्मिक चोट, हिंसा (लिंग आधारित) असंक्रमणकारी रोग, मानसिक स्वास्थ्य पर जानकारी तथा सलाह देना है। डॉ मालती शुक्ला ने किशोरावस्था के दौरान किशोर-किशोरियों की मानसिक स्थिति पर चर्चा करते हुए पढ़ाई के दौरान होने वाले चिड़चिड़ापन, समस्याओं से परिजनों एवं गुरुजनों को अवगत करने के बारे में बताया। किशोरियों को शारीरिक व व्यावहारिक परिवर्तन के दौरान सजग होकर रहने की सलाह के साथ उन्हें सैनिटरी पैड वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत मेहंदी डिजाइन प्रतियोगिता में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने तीन छात्राओं में सरगम गुप्ता प्रथम,शायस्ता द्वितीय, उमे सलमा तृतीय को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य टीम में डॉक्टर रघुनाथ अग्निहोत्री, डॉ मालती शुक्ला स्टाफ नर्स विनीता, स्टाफ नर्स पूनम, नेत्र सहायक ललित कुमार,नेत्र सहायक सचिन के अतिरिक्त इतिहास प्रवक्ता विनोद प्रताप वर्मा, विषय विशेषज्ञ संजय कुमार रस्तोगी मौजूद रहे।

नागरिक सेवा समिति ने कॉलेज में किया पौधारोपण

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। गुरुवार को सिहाली जागीर में अंजुमन ए अशरफ फामेर्सी कॉलेज में नागरिक सेवा समिति की ओर से चलाए जा रहे एक हजार पेड़ शहीदों के नाम अभियान में अध्यक्ष अब्दुल अफ़्फान और नागरिक सेवा समिति के एडवाइजर मौ0 आसिफ ने कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर अकरम खान व छात्र छात्राओं के साथ कॉलेज परिसर में पौधारोपण किया इस दौरान मौ0 आसिफ ने कहा कि नागरिक सेवा समिति की ओर से एक हजार पेड़ शहीदों के नाम अभियान चलाया का रहा है जिसमे अभी तक कई स्थानों पर पौधारोपण किया गया है जितना समय गुजरता जा रहा है उतनी ही हवा दूषित होती जा रही है जिसके बचाव के लिए अभी से पौधारोपण करना बहुत जरूरी है जिससे वातावरण साफ रहे हर व्यक्ति को पौधारोपण करना चाहिए और उन पौधों की देखभाल भी जरूर करनी चाहिए वही अध्यक्ष अब्दुल अफ़्फान ने कहा कि नागरिक सेवा समिति की तरफ से इस अभियान को चलाया का रहा है और ये अभियान अभी चलता रहेगा जो समिति के द्वारा पौधारोपण किया जा रहा है उन पौधों को देखभाल भी की जा रहीं है पेड़ पौधे जरूर लगाए और और उनकी देखभाल जरूर करे कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर अकरम खान ने कहा कि आपकी तरफ से चलाए जा रहे अभियान से लोगो को प्रेरित होकर इस शुरआत को बड़ा रूप देना चाहिए जिससे ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण हो और वातावरण शुद्ध हो सके इस दौरान सुलेमान चौधरी, मारूफ प्रधान कॉलेज के छात्र छात्राओं समेत कॉलेज स्टाफ अनस सैफी,फरमान खान,कपिल कुमार,मिस्बाह खान,मौजूद रहे।

श्री झारखंड महादेव शिव कांवर बेड़ा संघ द्वारा चतुर्थ विशाल भंडारे का कराया गया आयोजन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। गुरुवार को नगर में श्री झारखंड महादेव शिव कांवर बेड़ा संघ द्वारा गत बरसों की भांति इस वर्ष भी सावन माह के पावन महीने में विशाल शिव भंडारे का आयोजन नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर प्रांगण में किया गया, समिति के सदस्य द्वारा सर्वप्रथम भोले बाबा को जल अर्पित किया गया उसके उपरांत भोले बाबा को भोग लगाया गया तथा पंडितों द्वारा भोजन ग्रहण करने के बाद प्राप्त है 11 बजे भंडारा प्रारंभ हो गया जो देर शाम तक चलता रहा, भंडारे में हजारों की संख्या में भक्तों ने भोजन ग्रहण किया वही समिति के सदस्यों ने बड़े ही आदर भाव के साथ सभी को श्रद्धापूर्वक बैठकर भोजन कराया, इस मौके पर मुख्य रूप से गिरजा शंकर बंसल, राहुल हिंदुस्तानी, अंकुर प्रजापति, विपिन हिंदुस्तानी, निशांत चौहान, अंकित प्रजापति, बबलू प्रजापति, राम पाल सिंह, बंटी अग्रवाल, वरुण अग्रवाल, पंडित सतवीर गिरी, पप्पू गिरी, संजीव शर्मा, महेश शर्मा, उमेश शर्मा, दिनेश शर्मा, देवेंद्र शर्मा आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सुलेख प्रतियोगिता में नंदनी ने मारी बाजी

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर /गंगेश्वरी। गुरुवार को विकास क्षेत्र गंगेश्वरी के प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के अन्तर्गत सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा एक से पांच तक के सभी छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। निर्णायक मंडल द्वारा सुलेख प्रतियोगिता में कक्षा 5 कुमारी नंदनी प्रथम, कक्षा 4 दीपक कुमार प्रथम, कक्षा 3 से कुमारी समीक्षा प्रथम, कक्षा 2 से हिमांशु प्रथम एवं कक्षा एक से कुमारी अनु प्रथम स्थान पर घोषित किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह द्वारा सुलेख प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। निर्णायक मंडल में संकुल शिक्षक संजय सिंह,मनीष कुमार, अमित कुमार, अजय सागर, रेनू कंसल, राशिद अली, संतराम सिंह आदि उपस्थित रहे।

गांव सराय आलम में लाखों के आभूषण चोरी

बीते कुछ दिनों में चोरों ने कई घरों को बनाया निशाना

नांगल सोती

चोरी के बाद बिखरा सामान।

अज्ञात चोरों ने एक बंद पड़े मकान के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दे डाला, गृह स्वामी के मुताबिक चोरों ने लाखों के आभूषण चुरा लिए।

नांगल थानांतर्गत ग्राम सराय आलम निवासी फारुख मुम्बई में रहकर काम करता है, उसकी पत्नी व पुत्र घर पर रहते हैं। मंगलवार को फारुख की पत्नी रिजवाना अपने पुत्र के साथ अपने मायके ग्राम भागूवाला थाना क्षेत्र मंडावली में गई हुई थी। बुधवार को उसे पड़ोसियों ने फोन करके बताया कि उसके घर के दरवाजे खुले पड़े हैं। महिला घर आई, तो देखा कि चोरों ने मुख्य द्वार तथा दो कमरों के दरवाजों के कुंडे काटकर चोरी कर ली है। रिजवाना ने बताया कि चोर कमरों के अंदर घुसकर दो अलमारियों से सोने के लगभग 5 तौले के आभूषण, चांदी के तीन आभूषण, 30 हजार रुपए की नकदी तथा 7-8 जोड़ी बिना सिले कपड़े चोरी करके ले गये हैं। चोरी हुए सोने के आभूषणों में नथ, टिक्का, बुंदे, गले का हार व अंगूठी तथा चांदी के आभूषणों में शोकबंद, दस्तबंद व पायल शामिल हैं। सूचना पर पुलिस गांव में पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। महिला ने पुलिस को चोरी की तहरीर सौंपी है। इसके अलावा रुद्रप्रयाग में रहने वाले शाहिद के बंद घर में भी चोरों ने दरवाजों के ताले तोड़कर व कुंडे काटकर प्रवेश किया। शाहिद की पत्नी रुबीना भी अपने मायके भागूवाला में गई हुई थी , जबकि सास - ससुर आदि कुछ दूरी पर स्थित दूसरे घर में रहते हैं। चोर उसकी आलमारी में रखे लगभग पांच हजार रुपए, सोने के बुंदे तथा चांदी की पायल व बिछुए चोरी करके ले गये। हालांकि रुबीना ने पुलिस को तहरीर देने से इंकार कर दिया।

बसपा प्रत्याशी बिजेंद्र व ब्लाक प्रमुख बेटे में टकराव

बिजनौर

गाडी ओवरटेक को लेकर हुई बहस थाने में हुई समाप्त

बसपा के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी व चांदपुर के जलीलपुर भाजपा ब्लाक प्रमुख के बेटे के बीच टकराव हो गया। गाडी ओवरटेक करने को लेकर बहस हो गई। अपने समर्थकों को दोनों ने बुला लिया। बाद में थाने में भी नोकझोंक हुई।

गत लोकसभा चुनाव में बिजनौर लोकसभा से बसपा ने बिजेंद्र सिंह को अपना प्रत्याशी बनाया था। बिजेंद्र सिंह लोकदल छोड़कर बसपा में आए थे। वह अपने काफिले के साथ बैराज से बिजनौर की ओर आ रहे थे। बिजनौर के जलीलपुर ब्लॉक प्रमुख कुंतेश देवी के बेटे कपिल चौधरी भी अपने वाहन से बिजनौर आ रहे थे। इस दौरान दोनों पक्षों में अपने-अपने वाहन ओवरटेक करने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि बिजेंद्र सिंह ने ब्लॉक प्रमुख बेटे से अभद्रता की। इस पर ब्लॉक प्रमुख बेटे ने अपने समर्थकों को बुला लिया। दोनों पक्ष हाईवे से झगड़े हुए सीओ कार्यालय बिजनौर पहुंचे और कई अफसरों को मोबाइल से कॉल कर जानकारी दी। इस दौरान बिजेंद्र सिंह के सिक्योरिटी गार्ड और ब्लॉक प्रमुख पुत्र के समर्थकों में गाली-गलौच हो गई। बाद में मारपीट पर भी उतारु हो गए। दोनों पक्ष सीओ कार्यालय से लगे कोतवाली में पहुंचे। जहां पर बिजेंद्र सिंह, रालोद से विधानसभा के प्रत्याशी रहे डा. नीरज चौधरी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख विनोद राठी आदि लोग थाना प्रभारी के कक्ष में वार्ता के लिए चले गए। इस दौरान फिर से सिक्योरिटी गार्ड और समर्थक आपस में भिड़ गए । बाद में बिजेंद्र सिंह, कपिल चौधरी, डा. नीरज, विनोद राठी और इंस्पेक्टर उदय प्रताप अपने कक्ष से बाहर आए और सिक्योरिटी गार्ड-समर्थकों का बीच-बचाव कराया। दोनों पक्षों बिना किसी कार्रवाई के लौट गए।

मदरसा संचालक के बेटे पर रिपोर्ट दर्ज

बिजनौर

मदरसे की जांच में जुटा जिला प्रशासन, कुरान की कसम खिलाकर कहा था किसी को नहीं बतानी कोई बात

शहर कोतवाली के गांव वेगावाला में एक मदरसा संचालक के बेटे ने मदरसे में पढ़ रही छात्रा के साथ अश्लील हकरत की थी। इसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी। पीड़िता ने शहर कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि थाना क्षेत्र में चल रहें मदरसा संचालक के बेटे ने पीड़िता से छेड़छाड़ की। उधर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी। उधर एक हाजी ने इस मामले में कुरान की कसम खिलाकर पुलिस में शिकायत न करने की बात भी कहीं थी। लेकिन मामले ने तूल पकड़ लिया। उधर इस मामले में समाज कई लोगों ने पंचायत कर मामले को दबाना चाहा, लेकिन सफल नहीं हो सकें।

जिला मुजफ्फरनगर थाना ककरौली के एक गांव छात्रा शहर कोतवाली बिजनौर क्षेत्र के बेगावाला में संचालित जामियातुल बनात दारुल उलूम बुराहानूद्दीन मदरसे पढ़ती है। छात्रा रात में भी मदरसे आवासीय कमरे में ही रहती थी। गत शुक्रवार की रात में पीड़िता की तबीयत खराब हो गई। आरोप है कि रात में मदरसा संचालक का बेटा उस्मान पुत्र शाहनवाज निवासी बेगावाला ने ग्लूकोज की बोतल लगा दी। आरोप है कि बाद में नशे का इंजेक्शन लगाकर एक कमरे में ले गया। कमरे में मेरी साथ गलत हरकत की। पीड़िता ने भागकर अपनी मदरसे में रह रही सहेली को सारी बाते बताई। उधर पुलिस ने पीड़ित छात्रा की तहरीर पर उस्मान पुत्र शाहनवाज थाना शहर कोतवाली पर मुकदमा दर्ज कर लिया। उधर एसपी सिटी संजीव वाजपेई ने बताया कि छात्रा की तहरीर पर मदरसे संचालक के बेटे पर मुकदमा दर्ज किया गया है। जल्द ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

पोक्सो एक्ट के वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

नजीबाबाद : नजीबाबाद पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है, पुलिस ने उसका चालान कर जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने नजीबाबाद थाने में तहरीर देते हुए बताया था कि बिजौरी निवासी रोमी पुत्र यादराम ने उसकी पुत्री के साथ गलत काम किया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में मामला दर्ज किया। पुलिस ने जनपद बिजनौर में अपराध की रोकथाम व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत रोमी पुत्र यादराम निवासी गांव बिजौरी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी संजय कुमार तोमर, आरक्षी रजत व अमजद आदि शामिल रहे।

बस्ती में मगरमच्छ के पहुंचने से मचा हड़कंप

मगरमच्छ को देखने को उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

नांगल सोती

मगरमच्छ का रेस्क्यू करते ग्रामीण।

मुख्य बाजार मार्ग पर मगरमच्छ देख लोगों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई, सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने बामुश्किल इस विशाल मगरमच्छ को पकड़ने में कामयाबी पाई, और नदी में छोड़ दिया। बुधवार सुबह चार बजे के करीब नांगल वासियों की आंखें खुली तो सामने विशाल मगरमच्छ देख, इन लोगों के पैरों के तले की जमीन खिसक गई। मुख्य बाजार मार्ग पर विशाल मगरमच्छ आने की सूचना से पूरी बस्ती मे हड़कंप मच गया। देखते ही देखते यहां ग्रामीणों की बड़ी संख्या में भीड़ जुट गई, मार्ग पर मगरमच्छ आने के चलते आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। जिसकी सूचना तुरंत वन विभाग को दी गई। जिसमें विभागीय राहुल गिरी, बबलू और अनुज शुक्ला ने टीम के साथ पहुंचकर इस विशाल मगरमच्छ को बामुश्किल रस्सी से बांधकर पकड़ने में कामयाबी पाई। वन विभाग की घंटों की मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने मगरमच्छ के पकड़े जाने के साथ ही राहत की सांस ली। वन विभाग टीम के अनुसार मगरमच्छ को गंगा में छोड़ा गया है।

जीरो आवर में गुरजीत सिंह औजला ने उठाया वाघा बार्डर ट्रेड खोलने का मुद्दा

1965 और 71 की जंग के बाद भी व्यापार बंद नहीं हुआ था - औजला

(ब्यूरो चीफ राजिंदर कुमार)

अमृतसर। चुनावों के दौरान अपने किए वादे को पूरा करते हुए सांसद गुरजीत सिंह औजला ने आज सांसद में वाघा बार्डर ट्रेड खोलने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि 1965 और 1971 की लड़ाई के बाद भी यह ट्रेड बंद नहीं किया गया था लेकिन अब बालाकोट अटैक के बाद इसे बंद कर दिया गया जबकि यह अमृतसर में रोजगार के ले रीढ़ की हड्डी की तरह काम करता है।

>> जीरो आवर में उठाया मुद्दा

सांसद गुरजीत सिंह औजला ने जीरो आवर में आज वाघा बार्डर ट्रेड का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि वाघा बार्डर जहां से पाकिस्तान के साथ सालों से व्यापार किया जा रहा था उसे बालाकोट अटैक के बाद 200 प्रतिशत कस्टम ड्यूटी लगाने के बाद बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि यह बेहद पुरातन ट्रेड है क्योंकि पाकिस्तान के साथ सामाजिक और ऐतिहासिक तौर पर उनका सभ्याचार एक ही है। जब ट्रेड खुला था तो इंपोर्ट के लिए 500 के करीब ट्रक रोजाना आते थे। लेकिन बालाकोट अटैक के बाद इसे बंद कर दिया गया जिससे तकरीबन 10हजार लोग बेरोजगार हो गए। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो इंडस्ट्री लगाने की बात की जा रही है वहीं पहले से चल रहे व्यापार और रोजगार को बंद किया जा रहा है। व्यापार बंद होने से ट्रक वाले, वर्कशाप का काम करने वाले सब बेरोजगार हो गए।

>> 120 एकड़ में बना आईसीपी

सांसद गुरजीत सिंह औजला ने कहा कि वाघा बार्डर पर ट्रेड को फिर से शुरू करना चाहिए। आईसीपी 120 एकड़ में बना हुआ है जिसका 2012 में उद्घाटन किया गया था जो कि अब बेकार पड़ा है। अमृतसर और लाहौर का पुरातन रिश्ता है। यहां से अफगानिस्तान और यूएई तक व्यापार किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि 1965 और 71 की जंग के बाद भी इसे बंद नहीं किया गया लेकिन अब सरकार ने इस बंद कर दिया है जबकि यह अमृतसर के लिए रीढ़ की हड्डी है। उन्होंने कहा कि बार्डर एरिया होने के कारण वहां इंडस्ट्री नहीं है ऐसे में यह रोजगार भी बंद होना लोगों के लिए बेहद नुक्सानदाई है। इसीलिए वह चाहते हैं कि सरकार इसका संज्ञान ले और इसे जल्द से जल्द शुरू करवाए।

हरियाणा बनाओ अभियान के प्रतिनिधिमंडल ने संसद सदस्यों को ज्ञापन सौंपा

राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

हरियाणा। बनाओ अभियान के प्रतिनिधिमंडल ने श्री दीपेंद्र सिंह हुडा, वरुण मुलाना और श्री सतपाल बारामचारी, संसद सदस्यों को ज्ञापन सौंपा और उनके सामने मुद्दा उठाया कि हरियाणा को अपनी नई राजधानी और अलग उच्च न्यायालय की आवश्यकता है आपको इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए क्योंकि यह हरियाणा की असली मांग है। प्रतिनिधिमंडल ने उनसे कहा कि कृपया इस मांग को कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र में और संसद के समक्ष रखें। इस मुद्दे पर उन्होंने प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि वह इस मामले पर विचार करेंगे। रणधीर सिंह बधरान हरियाणा बनाओ अभियान के संयोजक, श्री ईश्वर सिंह दूहन पूर्व आईजी आईटीबीपी, यशपाल राणा सह संयोजक, रवि कांत सैन, संयोजक प्रोफेसर सुभाष सैनी, राधे श्याम शर्मा पूर्व कुलपति, लाभ सिंह भूखरी, मनीष तिवाना, बलिंदर सिंह मंधान ईश्वर गोयत आदि . यहां तक कि सभी बड़े सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने भी, जिनमें 10 से अधिक हैं लाखों सदस्यों ने भी हरियाणा बनाओ अभियान को अपना समर्थन दिया। आज रणधीर सिंह बधरन ने खुले तौर पर घोषणा की कि वह जल्द ही इस मांग के समर्थन में पूरे हरियाणा में लोकतांत्रिक स्तर पर अपने राज्य स्तरीय विरोध प्रदर्शन का दूसरा चरण शुरू करेंगे। दो साल के दिन-रात संघर्ष के बाद बधरन को जनता का भारी समर्थन मिलने में सफलता मिली। हरियाणा बनाओ अभियान में अब इस मांग को सभी दलों के घोषणापत्र में स्पष्ट शब्दों में जोड़ने की मांग की जा रही है और जो भी राजनीतिक दल इस सार्वजनिक मांग से बचने की कोशिश करेगा, जनता ऐसे दलों के उम्मीदवारों को गांवों में घुसने नहीं देगी। जल्द ही इस मुद्दे पर जनता के समर्थन के लिए हरियाणा बनाओ अभियान एक राज्य निकाय बैठक में महत्वपूर्ण राजनीतिक निर्णय लेगा। हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले नई राजधानी और अलग हाईकोर्ट की मांग जनता की मुख्य मांग बनती जा रही है। हरियाणा बनाओ अभियान" के हरियाणा की सीमाओं के भीतर हरियाणा की नई राजधानी और अलग उच्च न्यायालय के पक्ष में जनमत तैयार करने के लिए हरियाणा के हर गांव में जाने की घोषणा की गई। आज हरियाणा बनाओ अभियान के संयोजक रणधीर सिंह बधरान एडवोकेट, पूर्व चेयरमैन बार काउंसिल पंजाब एवं हरियाणा।

अल्वी समाज के लोग मुख्यमंत्री से मिले, पिनगवां में अल्वी भवन के निर्माण की मंजूरी पर जताया आभार

चंडीगढ़, अगस्त : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से अल्वी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा भवन नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान अल्वी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री का पिनगवां में अल्वी भवन के निर्माण को मंजूरी देने पर आभार जताया। राजा हसन खां मेवाती शहादत दिवस समारोह के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा पिनगवां में अल्वी भवन की घोषणा की थी। जिसे जल्द ही मूर्तरूप दिया जाएगा। ग्राम पंचायत पिगनवां ने अल्वी भवन के लिए जमीन का प्रस्ताव सरकार को भेज दिया है। इसके लिए 50 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है। अगस्त के अंतिम सप्ताह में भवन का शिलान्यास होगा। जिसके लिए अल्वी समाज का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला और शिलान्यास करने का आग्रह किया। जिस पर मुख्यमंत्री ने सहर्ष स्वीकृति दी। मुख्यमंत्री ने तुरंत अपने अधिकारियों को नूह दौरे के दौरान अल्वी भवन के शिलान्यास के कार्यक्रम को भी जोड़ने के निर्देश दिए। अल्वी भवन की घोषणा से नूह सहित अन्य जिलों के अल्वी समाज के लोगों में खुशी की लहर है और लोगों का कहना है कि पहली बार किसी सरकार ने वंचित अल्वी समाज के बारे में यह काम किया है। इस मौके पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राई विधायक मोहन लाल बड़ौली, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार राजीव जेटली, मुख्यमंत्री के मीडिया समन्वयक मुकेश वशिष्ठ, पूर्व विधायक बख्शीश सिंह विर्क व अल्वी वेलफेयर सभा के अध्यक्ष व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हरियाणा के मुख्यमंत्री से नई दिल्ली में अल्वी समाज का प्रतिनिधिमंडल मुलाकात करते हुए।

पैंशन बहाली संघर्ष समिति करनाल ने नर्सिंग ऐशोशीएशन को दिया समर्थन

1 सितंबर को चंडीगढ़ सीएम आवास घेराव का दिया निमंत्रण

राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

करनाल। पैंशन बहाली संघर्ष समिति करनाल जिला कार्यकारिणी ने आज जिला प्रधान संदीप टूरण एवं जिला वरिष्ठ उपप्रधान पदम सिंह प्रजापति की अध्यक्षता में कल्पना चावला गवर्नमेंट मैडिकल कालेज के सामने नर्सिंग ऐशोशीएशन के चल रहे धरने पर जाकर उनकी मांगों को समर्थन दिया और सरकार से मांग की कि नर्सिंग कैडर की मांगों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। प्रधान संदीप टूरण ने कहा कि सरकार ना तो लाखों कर्मचारियों के बुढापे की लाठी पुरानी पैंशन बहाल कर रही है और ना ही कर्मचारियों की अन्य मांगें मानी जा रही है। प्रधान संदीप टूरण ने नर्सिंग ऐशोशीएशन की मांगों को समर्थन के साथ साथ सभी नर्सिंग आफिसर से 1 सितंबर के चंडीगढ़ सीएम आवास घेराव में भी बडचडकर भाग लेने की अपील की। नॉन टिचींग एम्पलाईज वैलफेयर ऐशोशीएशन के प्रधान डॉ भुपेंद्र धत्तरवाल ने भी अपनी ऐशोशीएशन की तरफ से नर्सिंग ऐशोशीएशन एवं पैंशन बहाली संघर्ष समिति करनाल को तन मन धन से पूर्ण सहयोग का विश्वास दिलाया। नर्सिंग ऐशोशीएशन की तरफ से महासचिव सुमन पंवार ने सभी का समर्थन देने के लिए तहेदिल से धन्यवाद किया एवं 1 सितंबर के चंडीगढ़ सीएम आवास घेराव के लिए सभी नर्सिंग आफिसरज की तरफ से बडचडकर भाग लेने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पैंशन बहाली संघर्ष समिति करनाल के जिला उपप्रधान राम बिलास शर्मा, कोषाध्यक्ष वरुण शर्मा, सुनील, संदीप रोहित, सतिंदर सिंह नान टिचींग की तरफ से सतीश, राकेश एवं नर्सिंग ऐशोशीएशन के सैकड़ों सदस्य मौजूद रहे।

हरियाणा सरकार ने हाईकोर्ट में दायर की अपील, बिना सीईटी पास उम्मीदवारों को भर्तियों में शामिल करने का मामला

सिंगल बेंच ने अंतरिम आदेश में याचिकाकर्ताओं को भर्ती में शामिल करने और आठ सप्ताह में सीईटी कराने का दिया था निर्देश

चंडीगढ़, अगस्त : हरियाणा सरकार ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में सिंगल बेंच के अंतरिम आदेश पर अपील दायर कर दी है। सिंगल बेंच ने याचिकाकर्ताओं को सीईटी पास किए बगैर भर्ती प्रक्रिया में प्रोविजनल आधार पर शामिल करने और आठ सप्ताह में सीईटी आयोजित करने का अंतरिम आदेश दिया था। इस पर सरकार ने अपील दायर की है। इस अपील पर बुधवार को सुनवाई होगी। हरियाणा सरकार ने हर साल सीईटी आयोजित करने के लिए कहा था मगर अभी तक ग्रुप सी और ग्रुप डी का सिर्फ एक-एक सीईटी आयोजित किया था। उसके बाद दसवीं, 12वीं, ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन लेवल पर लाखों युवा पात्र हो गए मगर सीईटी नहीं होने से वे ग्रुप सी और ग्रुप डी पदों पर आवेदन के योग्य नहीं बन पाए। जिन्होंने सीईटी दिया भी है मगर उनके अंक कम हैं, वे भी अपने अंक बढ़ाने का प्रयास नहीं कर पाए क्योंकि सीईटी दोबारा नहीं हुआ। इसलिए कुछ युवाओं ने याचिका दायर कर भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने का आग्रह किया था, जिस पर सिंगल बेंच ने अंतरिम राहत देते हुए भर्ती प्रक्रिया में प्रोविजनल आधार पर अनुमति दी थी। साथ में सरकार को आठ सप्ताह में सीईटी आयोजित कराने को कहा था।

ग्रुप डी चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति से कौशल रोजगार निगम से लगे कर्मचारी नहीं हटेंगे

हरियाणा सरकार ने ग्रुप डी चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति/जिला आवंटन करने के बाद हरियाणा कौशल रोजगार निगम से लगे कर्मचारी को नहीं हटाने के लिए कहा है। इस संबंध में मानव संसाधन विभाग ने हरियाणा सरकार के सभी प्रशासनिक सचिव, सभी विभागाध्यक्षों को 07 अगस्त को पत्र भेज दिया है। पत्र में कहा गया है कि प्रदेश सरकार ने नए भर्ती किए गए कॉमन कैडर ग्रुप-डी कर्मचारियों को जिला/पद आवंटित करने का निर्णय लिया है। इसलिए आपको अधिकृत किया जाता है कि यदि किसी एचकेआरएनएल (हरियाणा कौशल रोजगार निगम) या आउटसोर्स कर्मचारी को नए भर्ती किए गए कॉमन कैडर ग्रुप-डी कर्मचारी के शामिल होने के परिणामस्वरूप हटा दिया जाता है, तो विभाग प्रमुख को किसी अन्य रिक्त उपयुक्त पद पर एचकेआरएनएल या आउटसोर्स कर्मचारी को शामिल करने की अनुमति है।

कर्मचारी चयन आयोग ने पहला पेपर ही स्थगित किया

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने हाईकोर्ट के निर्देश पर ग्रुप सी के पद पुनर्विज्ञापित कर आवेदन मांगे थे। इनमें ग्रुप 1, 2, 56, 57 शामिल थे। इनमें से पहला पेपर ग्रुप एक के लिए 07 अगस्त को प्रस्तावित था। ग्रुप नंबर एक के उम्मीदवार अपने-अपने परीक्षा केंद्रों पर पहुंच गए थे। मगर आयोग ने 07 अगस्त को यह परीक्षा स्थगित करने का नोटिस जारी कर दिया। आयोग ने कहा है कि यह परीक्षा अब 09 अगस्त, 2024 को होगी। पुनर्विज्ञापित होने के बाद यह पहला पेपर था, जो स्थगित हो गया। इसी तरह आयोग ने ग्रुप 56, 57 की प्रस्तावित तारीख पहले 10, 11 अगस्त बताई थी मगर बाद में उसे 17, 18 अगस्त बता दिया। उधर, आयोग के बाहर मंगलवार को काफी उम्मीदवार पहुंचे और उन्होंने आयोग के प्रति नाराजगी जताई।

जेबीटी, एमपीएचडब्ल्यू मेल पदों के विज्ञापन का इंतजार, ग्रुप डी की बकाया लिस्ट का इंतजार

हरियाणा मौलिक शिक्षा विभाग ने जेबीटी (पीआरटी) और स्वास्थ्य विभाग ने एमपीएचडब्ल्यू मेल के रिक्त पदों को भरने के लिए हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के पास आग्रह पत्र भेजा था। इन पदों पर 10 साल से ज्यादा समय से भर्ती नहीं हुई है। इसलिए इन पदों के पात्र युवाओं को इन पदों के विज्ञापन का इंतजार हो रहा है। मगर आयोग ने ये पद विज्ञापित नहीं किए हैं। उनमें नाराजगी बढ़ रही है। इसी तरह ग्रुप डी के बकाया पदों का रिजल्ट भी जारी नहीं किया है जबकि सवा दो महीने पहले हाईकोर्ट ने सामाजिक-आर्थिक मानदंड के अंक समाप्त कर दिए थे। दैनिक सवेरा के पास बचे उम्मीदवार मैसेज भेजकर आग्रह करते रहते हैं कि उनके साथ के नौकरी कर रहे हैं और वे बाहर हैं। ग्रुप डी के चयनित उम्मीदवारों में से कुछ को वेतन ही नहीं मिल रहा है जबकि कुछ को जिला मुख्यालयों पर अपने घर से कई किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है।

2014 की रेगुलराइजेशन पॉलिसीज पर सुप्रीम कोर्ट में अंतिम सुनवाई शुरू

हरियाणा सरकार ने 2014 में जो रेगुलराइजेशन पॉलिसीज बनाई थी। उन्हें पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था। हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट में कई अपीलें दायर हुई। इन अपीलों पर 07 अगस्त, 2024 को सुनवाई हुई। खंडपीठ ने 08 अगस्त, 2024 को फिर सुनवाई तय की है। अब इन पॉलिसीज पर अंतिम सुनवाई चल रही है। अगर 08 अगस्त को बहस पूरी हो गई तो उसके बाद सुप्रीम कोर्ट अंतिम फैसला देगा। सुप्रीम कोर्ट में पांच साल से ज्यादा समय से ये अपीलें लंबित हैं।

हरियाणा में 46 लाख...

किशोरियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना के तहत स्वः रोजगार स्थापित करने के लिए दी जाने वाली 03 लाख रुपये की ऋण राशि को बढ़ाकर 05 लाख रुपये करने की घोषणा की। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों को दैनिक जरूरतों के लिए दिए जाने वाले 20 हजार रुपये के रिवोल्विंग फंड की राशि को भी बढ़ाकर 30 हजार रुपये करने की घोषणा की। समूह सखी के मासिक मानदेय को भी 150 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज बड़ा सुखद संयोग है। सावन का पवित्र मास है, माता जयंती देवी की ऐतिहासिक नगरी जींद का स्थान है और महिलाओं, बेटियों व बहनों के पावन त्यौहार तीज का अवसर है। उन्होंने प्रदेशवासियों को हरियाली व खुशहाली के प्रतीक तीज के पावन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

राज्यसभा की 12 सीटों...

चाहता है तो वह 27 अगस्त तक ले सकता है। 3 सितंबर को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक वोटिंग कराई जाएगी और फिर उसी दिन शाम 5 बजे चुनाव के नतीजे जारी किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि असम, महाराष्ट्र और बिहार की 2 सीटों पर और हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, त्रिपुरा, तेलंगाना, ओडिशा में एक-एक सीट पर राज्यसभा सदस्यों का चुनाव होना है। मध्य प्रदेश, राजस्थान हरियाणा, असम और ओडिशा में भाजपा उम्मीदवार के जीतने की संभावना जताई जा रही है। दरअसल, इन राज्यों में भाजपा की सरकार है और पार्टी के पक्ष में ज्यादा संख्या बल है।

जनधन और बेसिक...

बैंकों द्वारा न्यूनतम बैलेंस न रखने पर राशि काटे जाने का सवाल उठाया गया है। यह नियम पीएम जन धन खातों और बेसिक सेविंग्स अकाउंट पर लागू नहीं होता है। ये केवल उन खातों पर लागू होता है, जिसमें ग्राहकों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने खाते में एक सीमा तक न्यूनतम बैलेंस बनाए रखें। वित्त मंत्री की ओर से यह जवाब लिखित में लोकसभा में दिया गया।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने पिछले महीने लोकसभा को बताया था कि न्यूनतम बैलेंस न रखने के कारण सरकारी बैंकों ने वित्त वर्ष 24 में 2,331 करोड़ रुपए का जुर्माना वसूला है। यह राशि पिछले साल वसूली गई रकम से 25 प्रतिशत अधिक थी।

पहला विज्ञान रत्न पुरस्कार...

सुब्रमण्यन, कृषि वैज्ञानिक आनंदरामकृष्णन सी, आवेश कुमार त्यागी (परमाणु ऊर्जा), प्रो. उमेश वार्ष्णेय और प्रो. जयंत भालचंद्र उदगांवकर (दोनों जैविक विज्ञान के क्षेत्र में), प्रो. सैयद वजीह अहमद नकवी (पृथ्वी विज्ञान), प्रो. भीम सिंह (इंजीनियरिंग विज्ञान), प्रो. आदिमूर्ति आदि और प्रो. राहुल मुखर्जी (गणित और कंप्यूटर विज्ञान), प्रो. डॉ. संजय बिहारी (चिकित्सा), प्रो. लक्ष्मणन मुत्थुसामी और प्रो. नबा कुमार मंडल (भौतिकी) और प्रो. रोहित श्रीवास्तव (प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष) शामिल हैं।

विज्ञान युवा पुरस्कार प्राप्त करने वालों में कृष्ण मूर्ति एसएल और स्वरूप कुमार परिदा (कृषि विज्ञान), राधाकृष्णन महालक्ष्मी और प्रो. अरविंद पेनमैत्सा (जैविक विज्ञान), विवेक पोलशेट्टीवार और विशाल राय (रसायन विज्ञान), रॉक्सी मैथ्यू कोल (पृथ्वी विज्ञान), अभिलाष और राधा कृष्ण गंटी (इंजीनियरिंग विज्ञान), पूरबी सैकिया और बप्पी पॉल (पर्यावरण विज्ञान), महेश रमेश काकड़े (गणित और कंप्यूटर विज्ञान), जितेंद्र कुमार साहू और प्रज्ञा ध्रुव यादव (मैडिसन), उर्वशी सिन्हा (भौतिकी), दिगेंद्रनाथ स्वैन अंतरिक्ष और प्रशांत कुमार (अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी) और प्रभु राजगोपाल (प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष) शामिल हैं। ये पुरस्कार हर साल दिए जाएंगे और विज्ञान के विभिन्न विभागों द्वारा दिए जाने वाले 300 से अधिक पुरस्कारों की जगह लेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर ये पुरस्कार प्रदान करेंगी, जो चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास चंद्रयान-3 के उतरने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट की समयसीमा...

डिप्टी कमिश्नरों और पुलिस अधीक्षकों से मुलाकात करेगा। शाम 7 बजे आयोग मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ), विशेष पुलिस नोडल अधिकारी (एसपीएनओ) और केंद्रीय बल समन्वयक के साथ तैयारियों की समीक्षा के लिए चर्चा करेगा। इसमें आगे कहा गया है कि आयोग 9 अगस्त को सुबह 9 बजे मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के साथ तैयारियों का मूल्यांकन करेगा। आयोग सुबह 11:40 बजे जम्मू जाएगा, जहां वह दोपहर 01:00 बजे प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक करेगा, उसके बाद दोपहर 02:30 बजे चुनाव तैयारियों पर मीडिया को जानकारी देने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा। आयोग शाम 04:40 बजे दिल्ली के लिए रवाना होगा और शाम 06:15 बजे दिल्ली वापस आएगा।

कांग्रेस की मंशा भारत...

फूट फूट कर रोयी थीं, लेकिन उनके पास शहीद मोहन चंद्र शर्मा जी के घर जाने का समय नहीं था। क्या कांग्रेस पार्टी सलमान खुर्शीद जैसे नेताओं के बयानों का समर्थन करती है? क्या ये कांग्रेस का प्रयास देश में अराजकता फैलाने का नहीं है? कांग्रेस को भारत की स्थिरता से इतनी नफ़रत आख़िर क्यों है?

आगामी 6 माह में हिमाचल में 50 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता का होगा दोहन : सीएम सुक्खू

मुख्यमंत्री ने दिए सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट के कार्य में तेज लाने व नए प्रोजेक्टों को चिन्हित करने निर्देश

शिमला, अगस्त : सूबे में मौजूद सौर ऊर्जा क्षमता के दोहन की कवायद तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अधिकारियों को निर्माणाधीन सौर ऊर्जा प्रोजेक्टों का कार्य तय अवधि में पूरा करने को कहा है। उन्होंने अधिकारियों से नए सौर ऊर्जा प्रोजेक्टों को चिन्हित करने के निर्देश भी दिए। ऊर्जा विभाग की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जिला ऊना के पेखुबेला में 32 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित की गई है और कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र में 10 मेगावाट और गगरेट विधानसभा क्षेत्र में 5 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाएं निर्माणाधीन है। प्रदेश आगामी छह माह में लगभग 50 मेगावाट सौर ऊर्जा का दोहन सुनिश्चित करेगा।

सुक्खू ने कहा कि सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश के लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि इन परियोजनाओं से प्रदेश के लोग आजीविका कमा सके। उन्होंने कहा कि यह परियोजनाएं बोनाफ इड हिमाचलियों को आवंटित की जाएगी और प्रदेश के लोगों को सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली की मांग में निरन्तर वृद्धि हो रही है इसलिए जल विद्युत के साथ-साथ सौर ऊर्जा का अधिकतम दोहन सुनिश्चित किया जा रहा है। सौर ऊर्जा पर्यावरण हितैषी और ऊर्जा का नवीकरणीय साधन है। इससे कार्बन उत्सर्जन में कमी और जीवाश्म ईधन पर निर्भरता को कम किया जा सकता है। सौर ऊर्जा परियोजनाओं का रखरखाव आसानी से किया जा सकता है और इनका जीवनकाल भी लंबा होता है।

हिमाचल प्रदेश को 31 मार्च, 2026 तक हरित ऊर्जा राज्य के रूप में स्थापित करने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रदेश सरकार हरित उद्योगों को बढ़ावा प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जलवायु परिवर्तन विश्व की सबसे बड़ी चुनौती है और प्रदेश सरकार हरित पहल के माध्यम से ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों को कम करने की दिशा में कार्य रही है। प्रदेश सरकार ई.वाहनों के संचालनों को बढ़ावा प्रदान कर रही है और हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों को इलेक्ट्रौनिक बसों के बेडे में परिवर्तित किया जा रहा है।

उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार राम सुभग सिंह , मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना, प्रधान सचिव आरडी नजीम, देवेश कुमार, अमनदीप गर्ग, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, बिजली बोर्ड के प्रबंध निदेशक हरिकेष मीणा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।

चुघ ने खुर्शीद को अराजकतावादी विचार फैलाने के खिलाफ चेतावनी दी

जम्मू, अगस्त : भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने आज वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद सहित विघटनकारी तत्वों को देश में अराजकतावादी विचार फैलाने से आगाह किया। सलमान खुर्शीद के इस बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि बांग्लादेश जैसी अशांति हमारे देश में भी हो सकती है, चुघ ने कहा कि यह शर्मनाक और निंदनीय है जब कांग्रेस नेता देश को पटरी से उतारने की बात करने लगते हैं। यह देश में कानून और व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ने की उनकी हताशा को दर्शाता है।

चुघ ने मांग की कि अब समय आ गया है कि गांधी परिवार की चीनी अधिकारियों के साथ गुप्त सहमति और पाकिस्तान आईएसआई के साथ गुप्त संबंधों को उजागर किया जाए। चुघ ने कहा कि मोदी सरकार देश में शांति भंग करने की सभी नापाक साजिशों को विफल कर देगी और सलमान खुर्शीद जैसे लोगों के लिए यह एक सबक होना चाहिए कि वे समाज में विघटनकारी विचार फैलाने से बचें।

वाल्मीकि नगर में रैन बसेरा और बस स्टेंड के लिए जगह की चयन प्रक्रिया शुरू, गोल चौक गोलंबर का होगा जीणोर्धार।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

वाल्मीकि नगर। इंडो नेपाल बॉर्डर के वाल्मीकिनगर के चौमुखी विकास के उद्देश्य से पश्चिम चंपारण जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्य धरातल पर अब दिखने लगा है, पिछले दिनों जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय के नेतृत्व में जिला स्तरीय टीम ने वाल्मीकिनगर में विकास के संभावनाओं का जायजा लिया था, जिसमें पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए यात्री शेड, पेय जल,शौचालय,लाइटिंग आदि की व्यवस्था पर जोर दिया गया था, उस पर पहल करते हुए प्रखंड बगहा 2 के बीडीओ बिट्टू कुमार और अंचलाधिकारी निखिल कुमार सिंह गुरुवार की दोपहर वाल्मीकिनगर पहुंच कर सिंचाई विभाग के अधीन रेशम विभाग की खाली पड़ी भूमि को चिन्हित कर मापी के साथ नजरी नक्शा को तैयार करना शुरू कर दिया है साथ ही त्रिवेणी के संगम तट पर स्थित सोनहा घाट, कौलेश्वर मंदिर, जटाशंकर मंदिर, नरदेवी माता मंदिर पर्यटकों और श्रद्धालुओं के सुविधाओं के लिए यात्री शेड का निर्माण, पे जल,शौचालय लाइटिंग आदि के लिए भूमि का चयन किया जा रहा है।वहीं राजस्व कर्मचारी जगई राम और वाल्मीकिनगर के राजस्व कर्मचारी प्रभात रंजन, सरकारी अमीन अनिल यादव, जिलापर्षद अध्यक्ष निर्भय कुमार महतो, विधायक प्रतिनिधि उमेश श्रीवास्तव, वाल्मीकिनगर मुखिया पन्नालाल साह तथा जेडीयू के प्रखंड उपाध्यक्ष लड्डू शर्मा कि देख-रेख में गोलचौक में बने अनुसूचित जनजाति के सामुदायिक भवन के आस पास खाली पड़े भूभाग की मापी जोखी की गई। वहीं गोल चौक में बने गोलंबर का भी निरीक्षण किया गया। ताकि उसका जीणोर्धार हो सके।इस सन्दर्भ में जानकारी देते हुए प्रखंड बगहा 2 के बीडीओ बिट्टू कुमार और सीओ निखिल कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि जिलाधिकारी के आदेश के आलोक में गोल चौक में यात्री को ठहरने के लिए यात्री शेड के निर्माण के लिए जगह चयनित किया जा रहा है।साथ ही गोलंबर के जीणोर्धार के लिए निरीक्षण किया गया है।गोलंबर के सौंदर्यीकरण के लिए पार्क और फाउंटेन का निर्माण किया जाएगा और बस स्टैंड के लिए रेशम विभाग के खाली पड़े भूमि का निरीक्षण किया गया है।इन सबों का मापी जोखी कर सर्वे रिपोर्ट तैयार कर जिलाधिकारी को सौंपी जायेगी।साथ ही सीओ ने आगे बताया कि चिन्हित भूमि के लिए जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से मुलाकात कर अनापत्ति प्रमाण-पत्र मांगा जायेगा।

बालमिकीनगर गोल चौक की सुंदरता में लगेगा चार चांद।

पर्यटन नगरी वाल्मीकिनगर का हृदय स्थली कहे जाने वाले गोल चौक की सुंदरता में चार चांद लगाने के लिए गोल चौक में फाउंटेन का निर्माण किया जाएगा। जिससे निकलने वाले पानी का फव्वारा पर्यटकों को आकर्षित करेगा।

वन विभाग तथा किसान की विवादित भूमि का नायब तहसीलदार ने कराया समाधान

■ कालपी-उरई

किसान तथा वन विभाग की सीमाओं की जमीन के वावत शिकायत मिलने पर उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह के निर्देशन पर राजस्व विभाग की टीम के साथ नायब तहसीलदार ने स्थलीय नीचे करके मामले का निपटारा कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कालपी तहसील क्षेत्र के ग्राम जोल्हूपुर मोड में कृषकों की निजी भूमि तथा वन विभाग की जमीन आसपास में है। दोनों के बीच सीमाओं के चिन्ह नहीं है, उक्त ग्राम निवासी मुन्ना आदि ने आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र दिया था कि हम किसानों की जमीनों में वन विभाग के द्वारा कब्जा किया जा रहा है। उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह के निर्देशन पर नायब तहसीलदार तारा शुक्ला लेखपाल राघवेंद्र निरंजन आदि ने ग्राम जोल्हूपुर में विवादित भूमि का स्थलीय निरीक्षण करके प्रकरण का समाधान कर दिया।

उप डाकघर में गंगाजल, राखी तथा राम जन्मभूमि मंदिर का डाक टिकट उपलब्ध-अग्रवाल

कालपी-उरई । भारत सरकार के द्वारा उप डाकघर कालपी में गंगाजल की बोतले, रक्षाबंधन की राखियां तथा राम जन्मभूमि के डाक टिकटों को आम लोगों के लिए उपलब्ध करा दिए गए हैं। कोई भी व्यक्ति उक्त पवित्र वस्तुओं को डाकघर से सरलता से प्राप्त कर सकता है। यह जानकारी उप डाकघर की अधीक्षक सुनील अग्रवाल ने दी है।

उप डाकघर अधीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि भक्तों के लिए गंगोत्री के पवित्र गंगाजल की बोतलें भारत सरकार के द्वारा उप डाकघर कालपी में भेजी गई है। 250 एमएल. की एक बोतल का मूल्य 30 रूपये निर्धारित किया गया है। 30 रूपये कीमत की गंगाजल की बोतल हर कोई प्राप्त कर सकता है। सावन के महीने में रुद्राभिषेक करने के लिए गंगाजल अब आसानी से भक्तों को मिलने लगा है। उन्होंने बताया कि रक्षाबंधन के पर्व को दृष्टिगत रखते हुए भारत सरकार के द्वारा स्पेशल राखी उप डाकघर में भेजी जा चुकी है। 10 रुपये मूल्य से राखी का उप डाकघर में वितरण कराया जा रहा है। इसी प्रकार भारत सरकार के द्वारा तैयार 500 रुपये कीमत के राम जन्मभूमि मंदिर भी डाकघर से ले सकते हैं। राम भक्तों के अलावा कोई भी व्यक्ति राम जन्मभूमि मंदिर उप डाकघर से प्राप्त कर सकता है। डाकघर के कर्मचारियों प्रदीप कुमार, सौरभ कुमार, योगेंद्र सिंह, शिवम कुमार तथा प्रियांशी को उक्त वस्तुओं को लोगों को उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेदारी सौंप गई है।

अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन 1942 की 82 वीं वर्षगांठ

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा दी गई श्रद्धांजलि।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की 82 वीं वर्षगांठ पर राष्ट्र पिता महात्मा गांधी, अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा दी गई भावभीनी श्रद्धांजली। इस अवसर पर पीस एंबेस्डर सह सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ0 एजाज अहमद (अधिवक्ता), डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल, समाजिक कार्यकर्ता डॉ अमानुल हक,अमित कुमार लोहिया, शाहनवाज अली एवं संपादक डॉ सलाम ने संयुक्त रुप से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज ही के दिन 8 अगस्त 1942 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के अत्याचार एवं देश की स्वाधीनता के लिए अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन का आरंभ किया था। 8 अगस्त 1942 की शाम मुंबई में एक जनसभा से आरंभ हुआ आंदोलन पूरे देश में फैल गया। चंपारण सत्याग्रह, असहयोग आंदोलन एवं दांडी मार्च (नमक सत्याग्रह) की तरह यह अपने तरह का व्यापक आंदोलन था। लाखों छात्रों, शिक्षकों, डॉक्टरो, वकीलों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं श्रमिकों ने अपने आप को सरकार के सहयोग से अलग कर लिया। आखिरकार ब्रिटिश हुकूमत को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में आरंभ किए आंदोलनों के फल स्वरूप पीछे हटना पड़ा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्य अहिंसा एवं आपसी प्रेम के सिद्धांतों के कारण देखते ही देखते भारत अंग्रेजों के चंगुल से 15 अगस्त 1947 को आजाद हो गया। इस अवसर पर डॉ एजाज अहमद, डॉ अमानुल हक, डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल एवं बिहार विश्वविद्यालय के डॉ0 शाहनवाज अली ने संयुक्त रूप से कहा कि 8 अगस्त वह ऐतिहासिक दिन है। देश की स्वतंत्रता में अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के अतुल्य योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर वक्ताओं ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि बेतिया पश्चिम चंपारण में अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में एक विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय संग्रहालय स्मारक की स्थापना की जाए ताकि नई पीढ़ी अपने गौरवशाली इतिहास को जान सके। यही होगी अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सरकार द्वारा सच्ची श्रद्धांजलि।

भारतीय अकलियत मोर्चा की बैठक जलील हुसैन हाउस पर हुई

प्रकाशनाथ

मुजफ्फरपुर। भारतीय अकलियत मोर्चा की बैठक जलील हुसैन हाउस पर हुई जिसमें पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर दुख के साथ शोक संवेदना व्यक्त किया है बंगाल ने एक ईमानदार और अच्छा नेता को दिया जिनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी उनका राजनीतिक जीवन साफ सुथरा और अच्छा रहा ईमानदारी से काम करते रहे वैसे नेता आप बहुत कम रह गए हैं जिनके पास ईमानदारी हो उन्होंने पश्चिम बंगाल के हर तबके के लिए विकास का काम किया आज उनकी कमी महसूस की जाएगी और उन्हें श्रद्धांजलि दिया गया इस बार उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें श्रद्धांजलि देने वालों में भारतीय असलियत मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक अली अब्बास अआबदी शामिल थे।

साइबर अपराध व उनसे बचाव के तरीकों को बताया

उरई। साइबर थाना जनपद जालौन व जनपद के थानो पर गठित साइबर हेल्प डेस्क टीम द्वारा साइबर जागरूगता अभियान के अन्तर्गत छात्र-छात्राओं/व्यपारियो/आमजनमानस को साईबर अपराध व उनसे बचाव के तरीकों के बारे मे बताकर जागरूक किया गया ।

बगहा में महावीरी झण्डा को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा निकाला गया फ्लैग मार्च।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

पश्चिम चम्पारण। महावीरी झण्डा को आपसी भाईचारे व सौहार्द पूर्ण शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराया जा सके। जिसको लेकर पुलिस अधिक बगहा सुशांत कुमार सरोज के निर्देश के आलोक में गुरुवार की शाम नगर समेत ग्रामीण क्षेत्रों में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार देवेंद्र के नेतृत्व में नगर थाना पटखौली थाना पुलिस द्वारा पुलिस पदाधिकारियों व पुलिस बलो के साथ फ्लैग मार्च निकाल लोगो से विधि व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण माहौल में नागपंचमी, महावीरी झण्डा को मानने की अपील किया गया। वही खासकर मुस्लिम समुदाय के लोगो से हिंदू मुस्लिम एकता को बनाए रखते हुए एक मिशाल कायम करते हुए आपसी भाईचारे सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखते हुए महावीरी झण्डा को मानने की अपील किया। ताकि पर्व को शांतिपूर्ण में संपन्न कराया जा सके।बता दे कि पुलिस प्रशासन द्वारा नगर के एनएच 727 मुख्य सड़क बगहा दो से होते हुए शास्त्री नगर चौक ,गांधी नगर चौक, चित्रांगदा सिनेमा चौक , डीएम एकेडमी चौक होते हुए मस्तान टोला, पवरिया टोला रत्नमाला, अहिरानी टोला, मालपुरावा चंडी स्थान, छत्रौल चौक , चखनी ,छोटकी पट्टी बड़गांव आदि मुख्य सड़क से गुजरते हुए लोगो से अपील करते पुन बगहा पहुंचा और वही स्टेशन रोड से होते हुए पटखौली आदि क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया गया। मौके पर पुलिस इंस्पेक्टर संजय कुमार पाठक, नगर थानाध्यक्ष अनिल कुमार, पटखौली थानाध्यक्ष अनिष कुमार ,पुलिस पदाधिकारियों व महिला, पुरुष पुलिस बल भरी संख्या में शामिल रहे।

केडीए कार्यालय में प्रवेश पर देनी होगी अपनी पहचान

■ कानपुर

कानपुर विकास प्राधिकरण संक्षेप में (केडीए) मे दलालों और अनाधिकृत लोगों को रोकने के लिए प्राधिकरण के कार्यालय में अफसर व कर्मचारियों से मिलने से पहले आगुंतकों को अपनी पहचान बतानी होगी। नाम पता मोबाइल नंबर और किससे मिलने आए हैं यह सब रजिस्टर में लिखना होगा ।रोज के रजिस्टर में देखा जाएगा कि एक व्यक्ति कितनी बार आ रहा है और किससे मिल रहा है। सीसीटीवी कैमरे से रोज आने वाले व्यक्ति पर नजर रखी जाएगी कि कौन किससे मिल रहा है। वर्तमान केडीए उपाध्यक्ष में साफ कहा है कि कोई बाहरी व्यक्ति कर्मचारियों के पास ना बैठे। ज्ञात हो कि एक दर्जन से ज्यादा दलाल सुबह प्राधिकरण में जाकर शाम तक बने रहते हैं। ऐसे सभी दलालों को चिन्हित किया जा रहा है वहीं नगर निगम में भी दलालों पर सख्ती बढ़ा दी गई है।

पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद सिंह ने दलालों को रोकने के लिए हर मंजिल में सुरक्षा कर्मी तैनात कर रखे थे। कुछ दिन तक इस पर शिकंजा कसा रहा, पर बाद में मामला ठंडा हो गया। उनके जाने के बाद दलालों का फिर आना शुरू हो गया , पुरुष तो क्या एक महिला दलाल भी प्रायः सुबह से ही कर्मचारियों के संपर्क में रहती है और यहीं नहीं अक्सर कर्मचारियों के काम करने वाली कुर्सी पर भी बैठे मिलती है। एक मजेदार जानकारी मिली है कि कर्मचारियों को पता नहीं होता है कि कौन सी फाइल कहां रखती है लेकिन इन दलालों को सब पता चल जाता है। उपाध्यक्ष मदन सिंह गबर्याल ने पिछले दिनों सभी कार्यालय में निरीक्षण करके अफसरो व कर्मचारियों से साफ कहा था कि कोई दलाल अंदर ना दिखे। इसके बाद से स्वदेश संवाददाता की टीम ने जब निरीक्षण किया तो कार्यालय में सन्नाटा दिखाई दिया।विक्रय जोन में दलालों की भीड़ लगी रहती थी, लेकिन मंगलवार को नजर नहीं आई। वहीं नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने भी नगर निगम मुख्यालय मोतीझील का निरीक्षण कर इस अफसरों को आदेश दिया कि दलाल कार्यालयों में ना दिखें।

मत्स्य पालन पट्टा आवंटन की प्रक्रिया में मिले 8 आवेदक

कालपी-उरई। कालपी तहसील सभागार में तहसीलदार अभिनव कुमार तिवारी की अध्यक्षता में मत्स्य पालन पट्टा शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर आठ लोगों के द्वारा पट्टों के लिए आवेदन किया गया।

जिला मत्स्य अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि कालपी, अटरा कला सतरहजू, कुसमरा सहित 30 ग्रामों में स्थित 2 हेक्टेयर क्षेत्रफल के तालाबो में मत्स्य पालन पट्टे 10 वर्षों के लिए प्रदान करने के लिए प्रत्येक मंगलवार को पट्टा शिविर लगाए जा रहे हैं। तहसीलदार अभिनव कुमार तिवारी के समक्ष 8 लोगों के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही मत्स्य पालन पट्टे आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। पट्टेधारकों को रोजगार का साधन भी उपलब्ध कराया जाएगा।

आगामी पर्वो के लेकर कोतवाली में हुई शांति कमेटी की बैठक संपन्न

सभी लोग मिल जुल कर मनाए त्योहार- सीओ

कोंच । प्रमुख मुस्लिम त्योहार चेहल्लुम को लेकर कोतवाली में ताजियेदारों की बैठक संपन्न की गई जिसमें 26 अगस्त को पड़ने वाले जन्माष्टमी पर्व को लेकर समय का एडजस्टमेंट करने की बात सीओ अर्चना सिंह ने कही।

देर शाम कोतवाली में सीओ अर्चना सिंह की अध्यक्षता में आयोजित ताजियेदारों की मीटिंग बुलाई गई। सीओ ने कहा, चूंकि 26 अगस्त को प्रमुख सनातनी पर्व जन्माष्टमी भी पड़ रहा है और उसी दिन चेहल्लुम के ताजियों का जुलूस भी है, ऐसे में दोनों समुदायों के त्योहार शांति पूर्वक तथा सद्भाव के साथ मनाए जाने के लिए जरूरी है कि ताजियों के जुलूस के समय को एडजस्ट करें। प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय ने कहा, अभी एक और मीटिंग बुलाई जाएगी, इस बीच ताजियेदार आपस में एक बार अपनी बैठक कर लें ताकि अगली मीटिंग में सहूलियत हो सके। इस दौरान वरिष्ठ उपनिरीक्षक अभिलाष मिश्रा, रमजान बाबूजी, अनवार खलीफा,शहीद मंसूरी आदि मौजूद रहे।

एसपी ने अपराध गोष्ठी का किया आयोजन,सभी थानाध्यक्ष को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश।

महावीरी झंडा को शान्तिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण मनाये जाने हेतु फ्लैग मार्च।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बगहा। एसपी बगहा सुशांत कुमार सरोज की अध्यक्षता में बगहा पुलिस जिला के पुलिस सभागार में जिला स्तरीय जुलाई महीने का मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय,पुलिस उपाधीक्षक यातायात, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बगहा / रामनगर एवं सभी अंचल पुलिस निरीक्षक, थानाध्यक्ष एवं सभी शाखा प्रभारी शामिल हुए। गोष्ठी में बगहा पुलिस जिला के सभी थानाध्यक्ष को लंबित काण्डों का ससमय निष्पादन,गश्ती समीक्षा,वाहन जॉच निरोधात्मक कार्रवाई,पासपोस्ट,चरित्र सत्यापन का ससमय निष्पादन अवैध बालू खनन कारोबारियों के विरूद्ध छापेमारी, डायल-112/उउळठर से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश,मद्यनिषेध अभियान के अन्तर्गत निरन्तर छापामारी करने तथा नागपंचमी, महावीरी झंडा पर्व-2024 को शान्तिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण मनाये जाने हेतु फ्लैग मार्च,बल की प्रतिनियुक्ति हेतु अन्य विधिक विषयों पर दिशा-निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त बीते माह जुलाई-2024 में लंबित काण्डों का ससमय निष्पादन, वारंट का निष्पादन, बालू खनन के विरूद्ध छापेमारी, गस्ती, इत्यादी में सभी थानों का मूल्यांकन किया गया जिसके उपरान्त थानाध्यक्ष बगहा, भैरोगंज तथा पटखौली थाना को जिले में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किये हैं।जो काफी सराहनीय पाते हुए इन्हे सम्मानित किया गया।मौके पर एसडीपीओ बगहा कुमार देवेंद्र, पटखौली थानाध्यक्ष अनिष कुमार ,बगहा थानाध्यक्ष अनिल कुमार सहित तमाम पुलिस पदाधिकारीगण उपस्थित रहें।

आवारा विचरण कर रहे जानवरों को अभियान चलाकर पकड़ा

कोंच। आवारा विचरण कर रहे मवेशियों से आवागमन में लोगों को होने वाली असुविधा को संज्ञान लेकर एसडीएम ने कार्यवाही की।रात्रि में एसडीएम ज्योति सिंह ने नगर की सड़कों पर निकलकर समस्या परखी। एसडीएम के साथ इस अभियान में तहसीलदार वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता, नायब तहसीलदार सुधीर कुमार प्रमुख रूप से शामिल रहे। नगर पालिका इंस्पेक्टर हरीशंकर निरंजन और आरआई सुनील कुमार की देखरेख में पालिका कर्मियों की टीम से आवारा मवेशियों को पकड़वाया गया। पकड़े गए मवेशियों को कैटरकैचर से ले जाकर गौशाला में बंद करा दिया गया। एसडीएम ने सभी मार्गों पर आवारा विचरण करने वाले शत प्रतिशत मवेशियों को पकड़ कर गौशालाओं में शीघ्र ही बंद किए जाने के निर्देश नगर पालिका को दिए हैं। बताते चलें कि नगर सहित गांवों में गौशाला होने के बाद भी आवारा मवेशी दिन रात मुख्य सड़कों पर विचरण करते हुए देखे जा सकते हैं। इन मवेशियों के चलते आवागमन में लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। नगर के उरई रोड, नदीगाँव रोड सहित अन्य मुख्य मार्गों के अलावा रोड किनारे बसे गांवों में दर्जनों की संख्या में मवेशी सड़कों पर विचरण करते हुए देखे जा सकते हैं।

जिलाधिकारी ने हर घर तिरंगा कार्यक्रम सम्बंधी ली बैठक

■ उरई

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ0 दुर्गेश कुमार की अध्यक्षता में विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के आयोजन के सम्बंध में बैठक कर सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन मे राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करते हुए स्वतंत्रता के प्रतीकों के प्रति सम्मान का भाव उजागर करना है। इसी के दृष्टिगत पुनः दिनांक 13 से 15 अगस्त 2024 के मध्य सम्पूर्ण देश मे हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने निर्देशित किया कि जेम पोर्टल/ऑन लाइन शॉपिंग पोर्टल पर उपलब्ध झण्डों के सम्बंध में व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए आमजनमानस को प्रेरित किया जाए साथ ही राशन की दुकानों, पेट्रोलपम्प, घरेलू गैस विक्रय केंद्रों, ग्राम पंचायत भवनों, तहसील, विकास खण्ड कार्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, जनसुविधा केंद्रों आदि में झण्डों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा खादी से निर्मित ध्वजों की पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत को निर्देशित किया कि दिनांक 13 से 15 अगस्त 2024 समस्त सरकारी भवनों पर तिरंगा लाइटिंग कराई जाए साथ ही स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े समस्त स्थलों की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करे एवं साइनेज भी लगवाए जाए। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि उक्त आयोजन के सम्बंध में शासन से निर्गत आदेशो का प्राइवेट शिक्षण संस्थाओं द्वारा भी पूर्ण रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सेल्फी, रील्स, वीडियो, झण्डे के साथ फोटो अथवा देशभक्ति/झण्डागीत के साथ वीडियो अभियान से जुड़ी वेबसाइड harihartiranga.com पर अपलोड करने हेतु आमजनमानस को प्रेरित किया जाए। झण्डा फहराते समय सदैव केसरिया रंग की पट्टी झण्डे के ऊपर की तरफ होनी चाहिए। झण्डे को यदि सरकारी परिसर में फहराया जाता है तो सूर्योदय के उपरांत ध्वजारोहण किया जाना चाहिए तथा सूर्यास्त के साथ ही सम्मान के साथ इसे उतारना चाहिए। दिनांक 13 से 15 अगस्त 2024 तक निजी आवासों एवं प्रतिष्ठानों पर लगाए जाने वाले झंडों को उक्त समयावधि के उपरांत आदर भाव के साथ उतार कर सुरक्षित रखा जाएगा, झंडा उतारने के बाद किसी भी नागरिक के द्वारा इसे फेंका नहीं जाएगा उसे सम्मान के साथ फोल्ड करके रखा जाना चाहिए, हर घर पर झंडा विधिवत तरीके से लगाया जाना चाहिए, आधा, झुका, फटा या काटा झंडा लगाया जाना निषेध होगा।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास, अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) संजय कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 एन0डी0 शर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट अजीत कुमार जायसवाल सहित सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

सार संक्षेप

भारत की चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी 'कल्कि 2898 एडी'

मुंबईः 'कल्कि 2898 एडी'भारत की चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गयी है। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित, कल्कि 2898 एडी में अमिताभ बच्चन, कमल हसन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी सहित कई शानदार कलाकार हैं। वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित यह फिल्म 27 जून दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हुयी थी। फिल्म कल्कि 2898 एडी ने शाहरुख खान की फिल्म जवान का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब फिल्म कल्कि 2898 एडी जवान को पछाड़ते हुए भारत की की चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गयी है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म कल्कि 2898 एडी ने भारत में नेट 640.60 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। कल्कि 2898 एडी ने फिल्म 'जवान' का रिकॉर्ड ब्रेक कर दिया है। जवान ने भारतीय बाजार में नेट 640.25 करोड़ रुपये की कमाई की थी। कल्कि 2898 एडी से आगे इस लिस्ट में 'बाहुबली 2' ,केजीएफ 2 और आरआरआर शामिल है।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में हुआ उल्लेखनीय काम : सरकार

नई दिल्लीः सरकार ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को महत्व दिया जा रहा है और नवीकरणीय ऊर्जा में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। लोकसभा में एक पूरक प्रश्न के उत्तर में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि मोदी सरकार की सत्ता में आने के बाद नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आए हैं और इस दिशा में तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से देश में 165 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सरकार इस दिशा में कई सुधार कार्य कर चल रहे है। कुल मिलाकर देश मे 430 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा को सरकार विकसित करने में लगी है और इस दिशा में तेजी से काम चल रहा है।उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के आने के बाद कोयला का उत्पादन दोगुना हुआ है। वर्ष 2004 से 14 तक इसके लिए 3700 करोड़ से ज्यादा खर्च हुआ है जबकि पहले इसमें मामूली बजट आवंटन और खर्च होता था। सरकार के पास आज 150 लाख करोड रुपए का बजट नवीनीकरण ऊर्जा के लिए है।

तटीय सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए अंतर मंत्रालयी समिति का गठन : राय

नई दिल्लीः गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा को बताया कि सरकार देश में समग्र तटीय सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इसे मजबूत बनाने के लिए एक अंतर मंत्रालयी समिति का गठन किया गया है। राय ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा कि सरकार तटीय सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए अनेक कदम उठा रही है। समग्र तटीय सुरक्षा के लिए एक अंतर मंत्रालयी समिति का गठन किया गया है जिसकी अब तक तीन बैठकें हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि तटवर्ती राज्यों में त्रिस्तरीय सुरक्षा मुहैया करायी जा रही है। एक अन्य पूरक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि मुंबई आतंकवादी हमले के बाद समुद्री तटों से लगने वाले राज्यों को अत्याधुनिक नौकाएं दी गयी थी लेकिन बाद में पता चला कि राज्यों द्वारा तकनीकी जनशक्ति के अभाव में इनका उचित रख रखाव नहीं किया जा रहा है। स्थिति की समीक्षा के बाद अभी इन राज्यों के लिए अतिरिक्त नौकाओं की खरीद नहीं की जा रही है।

सरकार हर नागरिक को आईटी सुविधा देने को प्रतिबद्ध : जतिन प्रसाद

नई दिल्लीः सरकार ने कहा है कि देश में आईटी क्रांति का दौर है और सरकार हर नागरिक इसका लाभ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। लोकसभा में इलेक्ट्रॉनिक तथा सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जतिन प्रसाद ने एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि सरकार की आईटी हब स्थापना से पहले इसके लिए ढांचागत सुविधाओं की व्यवस्था करने सहित कई नीतियां हैं। करीब 70 करोड़ इंटरनेट उपभोक्ताओं के लिए सरकार इन सुविधाओं को विकसित करने के लिए तत्पर है। सरकार बेंगलुरु तथा हैदराबाद जैसे शहरों के अलावा भी इस दिशा में कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि आईटी क्षेत्र में 64 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है और इसमें 30 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं।

सरकार की नीतियों से बढ़ा है करदाताओं का विश्वास : सीतारमण

● नई दिल्ली,

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि इस बजट में मध्यम वर्ग को कर राहत दी गई है और सैलेरी एवं वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए मानक कटौती 50 हजार से 60 हजार की गई है जिसका सीधा लाभ इस वर्ग के लोगों को मिलेगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बुधवार को वित्त विधेयक 2024 (2) पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि कोविड के समय विकसित देशों में कर की दर बढाई गई लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड खर्च के लिए कर नहीं बढाने के निर्देश दिये थे और उस निर्देश का पालन करते हुए सरकार ने 2020 से 2023 के बीच किसी तरह का कोई कर नहीं बढाया है।

वित्त मंत्री ने कहा कि 2014 में कर आतंकवाद की शिकायत की जा रही थी और लोगों से जबरन पैसा वसूले जाने की शिकायतें आ रही थीं लेकिन उस दौर को मोदी सरकार बहुत पीछे छोड़ चुकी है और करदाताओं का विश्वास बढाया गया है। एमएसमई को नये कर दाताओं का ज्यादा फायदा हुआ है इस बार के अंतरिम बजट में 19 लाख कर दाताओं पर कर की मांग हटा दी गई ताकि कर विवाद खत्म हो सके। बजट में एंजिल टैक्स को पूरी तरह से हटा दिया गया है जो कि 2012 में लाया गया था। उन्होंने कहा कि विपक्ष शोषण का बजट बताकर इसकी आलोचना कर रहा था जबकि कांग्रेस की सरकार के समय ही यह एंजिल कर लगाया गया था।

बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने फिजी गणराज्य में श्री शिव सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर (नाडी) का दौरा किया और प्रार्थना की।

नेपाल में हेलीकॉप्टर दुर्घटना, 5 मरे

मृतकों में 4 चीनी नागरिक और एक पायलट शामिल है

● काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के नुवाकोट में बुधवार दोपहर एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है। इनमें 4 चीनी नागरिक और एक पायलट शामिल हैं। एयर डायनेस्टी का हेलिकॉप्टर राजधानी काठमांडू से रासुवा जा रहा था।

मामले की सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। नेपाल के लोकल मीडिया के मुताबिक, हेलिकॉप्टर ने दोपहर 1 बजकर 45 मिनट पर त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। करीब 3 मिनट बाद हेलिकॉप्टर से संपर्क टूट गया था। हालांकि, हादसा क्यों हुआ इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। मरने वालों में 3 पुरुष और एक महिला शामिल है, एक का शव ज्यादा जला होने की वजह से उसकी पहचान नहीं हो पाई है।नेपाल में 15 दिन पहले 24 जुलाई को भी एक प्लेन क्रैश हो गया था। इसमें 18 लोगों की मौत हुई थी। प्लेन ने 24 जुलाई को सुबह करीब 11 बजे त्रिभुवन एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। इसके कुछ ही देर के अंदर यह क्रैश हो गया था। प्लेन सौर्य एयरलाइन्स का था। हादसे में मारे गए लोगों में से 17 सौर्य एयरलाइंस के ही स्टाफ थे, जबकि बाकी 2 क्रू मेंबर्स थे। हादसे में मारे गए 18 लोगों में से तीन एक ही परिवार के थे। इनमें मुन राज शर्मा उनकी पत्नी प्रीजा खाटिवाडा और उनका चार साल का बेटा आदि राज शर्मा शामिल थे।

दरअसल 21 साल पुराने इस प्लेन को मरम्मत कर टेस्टिंग के लिए ले जाया जा रहा था। प्लेन में मौजूद लोग कंपनी का टेस्टिंग स्टाफ था। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, हादसे के तुरंत बाद पुलिस और फायर फाइटर्स की टीम घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए पहुंची थी। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि क्रैश के बाद विमान में आग लग गई थी। इसे तुरंत बुझा दिया गया। नेपाल में एयर इंडस्ट्री में पिछले कुछ सालों में काफी विकास हुआ है। यह कई कठिन और पहाड़ी वाले इलकों में भी सेवाएं दे रही हैं। हालांकि, खराब सुरक्षा व्यवस्था और ट्रेनिंग की कमी की वजह से यहां अक्सर हादसे होते रहते हैं। नेपाल में हर साल औसत एक विमान हादसा होता है। साल 2010 से अब तक 12 प्लेन क्रैश हो चुके हैं। 14 जनवरी 2023 को यहां बड़ा विमान हादसा हुआ था। यति एयरलाइंस का प्लेन काठमांडू से 205 किमी दूर पोखरा में क्रैश हो गया था। जिसमें 68 यात्री और चार क्रू मेंबर सवार थे। विमान पोखरा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लैंडिंग से महज 10 सेकेंड पहले पहाड़ी से टकरा गया था। इससे प्लेन में आग लगी और वह खाई में जा गिरा था। हादसे में सभी 72 लोगों की मौत हो गई थी। इससे पहले 29 मई 2022 को मस्टैंग जिले में एक एयरप्लेन क्रैश हुआ था। इस हादसे में 22 लोगों की मौत हुई थी।

वहीं 2018 में काठमांडू के त्रिभुवन एयरपोर्ट के पास ही वर-बांग्ला एयरलाइंस का विमान क्रैश हो गया था। इसमें 51 लोगों की मौत हुई थी।

बजट से मध्यम वर्ग को कोई राहत नहीं: दिग्विजय सिंह

● नई दिल्ली,

कांग्रेस के दिग्विजय सिंह ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि मोदी सरकार के कार्यालय में अब तक पेश सभी 11 बजटों में संविधान की भावना का उल्लंघन किया गया है क्योंकि इस दौरान देश में असमानता बढ़ी है और गरीब अधिक गरीब हुआ है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा सदन में विनियोग(संख्याक दो)विधेयक 2024 और जम्मू- कश्मीर विनियोग(संख्याक3) विधेयक 2024 को सदन में पेश किये जाने पर सिंह ने चर्चा की शुरूआत करते हुये कहा कि देश में सामाजिक और आर्थिक स्तर पर असमानता बढ़ा है जबकि यह देश अनेकता में एकता वाला है। विकास,प्रयास और विश्वास की बात तभी जो सकती है जब सभी वर्गों विशेषकर गरीबों की बात सुनी जायेगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में अब तक 11 बजटों से संविधान का उल्लंघन हुआ है क्योंकि देश में असमानता बढ़ी है। कुछ लोगों के पास देश की 40 प्रतिशत सपंत्ति है और मात्र एक प्रतिशत लोगों के पास 22 प्रतिशत संपत्ति है। उन्होंने कहा कि देश के संसाधन पर पहला हक सबसे उपेक्षित और संसाधन विहीन लोगों का होता है जबकि यहां इसके उल्ट है। सरकार कहती है देश में 24 करोड़ से अधिक लोगों के गरीबी से निकालने की बात कही जा रही है। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि उसको मिल रहा है जिसके पास भूमि है। जिसके पास भूमि नहीं है उसको कुछ नहीं मिल रहा है। वृद्धा पेंशन में भी वृद्धि नहीं की गयी है। विधवा पेंशन और विकलांग पेंशन में भी ऐसे ही है। आज गरीब के साथ ही मध्यम वर्ग भी त्रस्त है। मात्र 2.2 प्रतिशत लोग आयकर देते है। आज जो कार्पोरेट से कर आता है वह प्रत्यक्ष आयकर से भी कम हो गया है जबकि मोदी सरकार ने कार्पोरेट को चार गुना लाभ दिया है जिसको विनिर्माण में नहीं लगाया गया है। मोदी सरकार के कार्यकाल में खरबपतियों की संख्या बढ़ी है। तीन सौ अमीर परिवारों पर सिर्फ दो प्रतिशत कर लगा देने से पूरा बजट पूरा हो जायेगा। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्या है।

संविधान की रक्षा हर कीमत पर : नड्डा

नई दिल्ली : राज्यसभा में सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा ने बुधवार को कहा कि मोदी सरकार संविधान और इसकी प्रस्तावना की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इनकी रक्षा हर कीमत पर की जाएगी। नड्डा ने सदन में शून्यकाल के दौरान विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के संविधान की प्रस्तावना के साथ छेड़छाड़ करने के मुद्दे का जवाब दे रहे थे। नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार संविधान के अनुरूप काम करती है और संविधान की रक्षा करती है संविधान और प्रस्तावना के साथ छेड़छाड़ करने का प्रश्न ही नहीं उठाता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 25 जून 1975 में संविधान पर डाका डाला था। एक साथ 19 राज्यों की सरकारें बर्खास्त कर दी गई थी।

रोडवेज बस-ट्रक में टक्कर, 12 घायल

भीलवाड़ा : राजस्थान में शाहपुरा जिले के जहाजपुर थाना अंतर्गत देवली मार्ग पर बुधवार को राज्य परिवहन निगम की बस ओवरटेक करने के प्रयास में सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में दोनों वाहन आमने सामने से डेमेज हुए हैं। दोनों गाड़ियों के चालक सहित करीब एक दर्जन यात्री घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए जहाजपुर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस दुर्घटना के मामले की जांच में जुटी है। इस दुर्घटना में सावित्री, नेक चंद जैन, चंदा मीणा, मोरपाल मीणा,विनोद मीणा, ममता मीणा, सीमा मीणा, सत्तार हुसैन, राम सिंह, लालाराम, रमेश माली घायल हुए है।

थाई लॉयन एयर उड़ान में बम की धमकी

कोच्चि : केरल के कोच्चि अतंरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार को थाई लायन एयर के विमान को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूत्रों ने बताया कि थाई लायन एयर एसएल211 के विमान के ही एक यात्री ने गेट नंबर 19 पर सेकेंडरी लैडर पॉइंट चेक (एसएलपीसी) के एयरलाइन सुरक्षा कर्मचारियों को इस उड़ान को बम से उड़ाने की धमकी दी। धमकी के जवाब में बम खतरा आकलन समिति (बीटीएसी) ने टर्मिनल तीन पर देर रात करीब दो बजे बैठक की और धमकी को गैर-विशिष्ट माना हालांकि, एक ही पीएनआर के तहत सह-यात्रियों के विमान में सवार होने के कारण, समिति ने निर्देश दिया कि यात्रियों को विमान से उतारने के बाद एसएलपीसी और विमान की जांच की जाए। विमान बुधवार तड़के करीब 04 :30 बजे रवाना हुआ।

बुधवार को हरिद्वार में हरियाली तीज के पावन पर्व पर मेंहदी लगाने के बाद हाथ दिखाती विवाहित महिलाएं।

'आदिवासी क्षेत्र में बिछ रही है रेल लाइन'

छत्तीसगढ़ में 58 एक्सप्रेस ट्रेन और 128 चल रही हैं अन्य ट्रेन : अश्विनी वैष्णव

● नई दिल्ली,

सरकार ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्र में रेलों का विकास आवश्यक है इसलिए सरकार इस क्षेत्र में रेल पटरियां बिछाने का काम प्राथमिकता के आधार पर कर रही है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्र में रेल सेवा से संबंधित एक पूरक प्रश्न के जवाब में बुधवार को कहा कि छत्तीसगढ़ आदिवासी क्षेत्र है और वहां रेल सुविधा बढ़ाना आवश्यक है। पहले छत्तीसगढ़ के लिए 311 करोड रुपए का बजट होता था आज 6000 करोड़ से ज्यादा की राशि वहां उपलब्ध कराई गई है। पहले रेलवे के लिए कम निधि दी जाती थी लेकिन अब पर्याप्त मात्रा में धन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में 58 एक्सप्रेस ट्रेन और 128 अन्य ट्रेन चल रही हैं जबकि पहले यह संख्या कमशः 36 और 68 हुआ करती थी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पहले की तुलना में 36 गुना ज्यादा रेल विकास का काम हो रहा है। नया काम होता है तो दिक्कत रेलों के संचालन में आती है। रेल लाईनों पर दोहरीकरण का काम हो रहा है और लाइनों का विकास किया जा रहा है जिससे ट्रेनों की आवाजाही बाधित हो रही है लेकिन काम के कारण संचालन कम से कम बाधित हो इस पर ध्यान दिया जा रहा है। रेल मंत्री ने कहा कि रेल लाइन पर दोहरीकरण के काम के लिए रेल को रोकना पड़ता है। इस काम में हाईवे की तर्ज पर काम नहीं हो सकता है इसलिए संचालन में दिक्कत स्वाभाविक है।

हसीना कहती थीं-यूनुस को गंगा में डुबो दो, अब वही सरकार बनाएंगे

मोहम्मद यूनूस ने 17 साल पहले ठुकरा दिया था प्रधानमंत्री का पद, अब स्वीकार कर लिया पीएम पद का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

17 साल बाद बांग्लादेश में फिर राजनीतिक उथल-पुथल मची है। शेख हसीना देश छोड़कर भाग गई हैं। अब अंतरिम सरकार चलाने की जिम्मेदारी उन्हीं मोहम्मद यूनुस पर आई है, जिन्होंने 17 साल पहले प्रधानमंत्री के पद को ठुकरा दिया था। इस बार यूनुस ने प्रस्ताव को स्वीकार भी कर लिया है।

जनवरी 2007 में सेना ने बांग्लादेश की सत्ता पर कब्जा कर लिया था। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और खालिदा जिया दोनों ही भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में बंद थीं।

सेना ने देश को चलाने के लिए बांग्लादेश के नोबेल प्राइज विनर मोहम्मद यूनुस को कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनाने की कोशिश की। हालांकि, यूनुस इतनी बड़ी जिम्मेदारी लेने से पीछे हट गए। 17 साल बाद बांग्लादेश में फिर राजनीतिक उथल-पुथल मची है। शेख हसीना देश छोड़कर भाग गई हैं। अब अंतरिम सरकार चलाने की जिम्मेदारी उन्हीं मोहम्मद यूनुस पर आई है, जिन्होंने 17 साल पहले प्रधानमंत्री के पद को ठुकरा दिया था। इस बार यूनुस ने प्रस्ताव को स्वीकार भी कर लिया है। वे अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर होंगे। यूनुस का नाम आने के बाद पूरी दुनिया में उनकी चर्चा हो रही है। यूनुस कोई अनजान शख्स नहीं हैं। उन्हें गरीबी मिटाने का जरिया बताने के लिए नोबेल पुरस्कार मिल चुका है।मोहम्मद यूनुस एक सोशल वर्कर, बैंकर और अर्थशास्त्री हैं। उनका जन्म 28 जून 1940 को गुलाम और अविभाजित भारत में हुआ। वे बंगाल के चिटगांव में एक जौहरी, हाजी मोहम्मद शौदागर के घर पैदा हुए थे। ढाका यूनिवर्सिटी से इकोनॉमिक्स की शुरूआती पढ़ाई के बाद वे अमेरिका चले गए। जहां उन्होंने ढँऊकी और इकोनॉमिक्स पढ़ाने लगे। यूनुस बांग्लादेश की आजादी के बाद देश लौटे। उन्होंने चिटगांव यूनिवर्सिटी में इकोनॉमिक्स डिपार्टमेंट के हेड का पद संभाला। ये वो दौर था जब देश की

हालत ठीक नहीं थी। 1971 की जंग के बाद बांग्लादेश के लाखों लोग 2 वक्त की रोटी को तरस रहे थे। इन लोगों को रोजाना गरीबी से जूझते देख यूनुस का इकोनॉमिक्स पढ़ाने से मन टूट गया। उन्होंने इसे फिजूल का विषय बताया। टाइम मैगजीन को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इकोनॉमिक्स ने उन्हें यह नहीं बताया कि लोगों की भूख कैसे मिटाई जा सकती है। इसके बाद यूनुस अपने आसपास के गांवों में भटकने लगे और लोगों की भलाई के मौके तलाशने लगे। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक एक दिन किसी गांव से गुजरने के दौरान यूनुस की नजर एक महिला पर पड़ी जो अपनी झोपड़ी के बाहर बांस की टेबल बना रही थी। महिला से बातचीत करने पर पता चला कि उसने एक सूदखोर से 500 टका लोन लिया हुआ है। सूदखोर ने उसे यह टेबल किसी बाजार में न बेचने की शर्त रखी है। वह ये टेबल मनमानी कीमत पर खरीदता और बेचता है। यूनुस ने कहा कि ये कोई बिजनेस नहीं बल्कि गुलामी है जिसमें साहूकार ने सिर्फ 500 टका देकर एक महिला का हुनर उससे खरीद लिया है।

बुधवार को नई दिल्ली में संसद भवन में टीएमसी सांसद डेरेक ओ'ब्रायन के साथ शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी।

स्वर्णिम उम्मीद को झटका

कितनी विचित्र बात है कि पेरिस ओलंपिक में भारत की जिस शेरनी ने स्वर्ण शिखर पर पहुंचने की उम्मीद जगा थी मात्र कुछ घंटों बाद ही वह रेसलिंग की फाइनल प्रतियोगिता में अयोग्य करार दे दी गई। बात महिला पहलवान विनेश फोगाट की हो रही है। विनेश फोगाट पेरिस में चल रहे ओलंपिक खेलों में 50 किलो कैटेगरी में एक ही दिन में तीन दिग्गज प्रतिस्पर्धी महिला पहलवानों को पटकनी देकर फाइनल में पहुंची थी। उनकी कुश्ती से इसलिए भी देश की उम्मीदें बढ़ गई थी कि वे देश की पहली ऐसी महिला पहलवान हैं जो फाइनल तक पहुंची। विनेश ने सबसे पहले प्रीक्वार्टर फाइनल में जापान की यूई सुसाकी, क्वार्टर फाइनल में यूक्रेन की ओकसाना लिवाच और सेमीफाइनल में क्युबा की गुलजान लोपेजी को एक तरफा हराकर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की थी। सुबह के अखबारों में अपनी महिला रेसलर की इस कामयाबी को देख कर पूरा देश उत्साहित था। उम्मीद बंधी थी कि विनेश फोगाट भारत की झोली में स्वर्ण पदक झटकने में कामयाब हो जाएगी। मगर यह सपना बहुत जल्दी टूट गया। दरअसल 50 किलो ग्राम रेसलिंग के फाइनल में पहुंची विनेश फोगाट का वजन इवेंट के दूसरे दिन 50 किलोग्राम वर्ग से कुछ अधिक पाया गया। यद्यपि वजन कुछ ग्राम ही ज्यादा था मगर खेल के नियम इतने सख्त है कि उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। विनेश के पास गोल्ड मेडल जीतने का सुनहरा मौका था लेकिन अब तो वे सिल्वर मेडल से भी वंचित हो गई। 29 वर्षीय विनेश फोगाट का वजन जब थोड़ा बढ़ा हुआ आया तो उन्होंने इसे कम करने का प्रयास भी किया। मगर 7 अगस्त को गोल्ड मेडल इंवेंट से पहले जब उनका वजन लिया गया तो वह करीब 100 ग्राम ज्यादा पाया गया और इसी वजह से उन्हें अयोग्य करार दे दिया गया। इस खबर ने देश के हरेक नागरिक को व्यथित किया है। क्योंकि इससे भारत न सिर्फ पदक हासिल करने से चूक गया बल्कि पहली बार जिस पायदान पर पहुंचने में सफल रहा वह भी निरर्थक चला गया। ओलंपिक खेलों में भारत का प्रदर्शन पूर्व में भी कोई बहुत अच्छा नहीं रहा। बीते कुछ सालों में देश की सरकार ने खिलाड़ियों को अच्छे प्रशिक्षण और सुविधाएं देकर उनकी प्रतिभा को निखारने पर विशेष ध्यान दिया है। जिससे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा है और वे अच्छा प्रदर्शन भी कर रहे हैं। ओलंपिक में भले ही हमारे खिलाड़ियों के प्रदर्शन चीन, अमेरिका, जापान, फ्रांस की तुलना में बहुत अच्छा नहीं है फिर भी पूर्व के प्रदर्शन से कहीं बेहतर है। ऐसी स्थिति में जब विनेश फोगाट जैसी कोई परिस्थिति बन जाती है तो मन दुखी होना स्वाभाविक है। निश्चित रूप से विनेश फोगाट का मन भी विचलित होगा। मगर अब जो होना था वह हो चुका। इसलिए ओलंपिक टीम को अब अपने अन्य लक्ष्यों को केंद्रित करके आगे बढ़ना होगा। विनेश फोगाट का वजन क्यों बढ़ा इस पर फिलहाल अभी कोई स्पष्ट बात सामने नहीं आई। निश्चित रूप से उनके पोषण आहार में कोई असावधानी ही रही होगी। ऐसे समय में सबसे ज्यादा जरूरी खिलाड़ी के मनोबल को बढ़ाने की जरूरत होती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी विनेश फोगाट की तारीफ करते हुए उनकी हिम्मत बढ़ाई है। गलतियां सावधानी के लिए भी प्रेरित करती हैं। इसलिए प्रयत्न करना चाहिए कि आगे कोई ऐसी चूक फिर नहीं हो।

संतवाणी

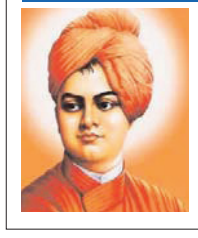

जब कोई व्यक्ति स्वयं को हीन मान कर अपने पूर्वजों के प्रति लज्जान्वित हो जाता है, तब समझो उसका सर्वनाश निकट होता है। हेय मानने के बजाए हम अपनी कृति से यह सिद्ध करें कि विश्व की किसी भी भाषा के किसी भी शब्द से श्रेष्ठ हिन्दू शब्द है। – **स्वामी विवेकानंद**, आध्यात्मिक गुरु

मूल निवासियों का नरसंहार
भाग-1

मूल निवासी दिवस की तह में विदेशी षड्यंत्र

शाहीन सबा

पश्चिम में इसे कोलोनियल नरसंहार अथवा सेटलर्स नरसंहार के नाम से जाना जाता है। पश्चिमी यूरोपियन शक्तियों (ब्रिटिश व स्पेन) के विस्तारवाद ने यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका, ओशिनिका और एशिया में कोलोनियल नरसंहार (जिनोसाइड) को अंजाम दिया, जिसकी संख्या हिटलर के होलोकॉस्ट से भी बड़ी व नृशंस थीं। नरसंहार पर शोध करने वाले राफेल नेमकिन के अनुसार कोलोनियल नरसंहार के दो चरण थे, पहला-मूल निवासी संस्कृति और जीवन शैली को नष्ट करना व दूसरा-कालोनाइजर की जीवन पद्धति, संस्कृति और रिलिजन को जबरन मूल निवासियों को अपनाने पर हिंसात्मक रूप से बाध्य करना। इस नरसंहार को सांस्कृतिक नरसंहार और एथनिक नरसंहार का भी नाम दिया जाता है। इस नरसंहार की विभीषिका इतनी भयंकर थी कि मूल निवासियों को मारने के लिए पशुवत् अत्याचारों के अतिरिक्त अमानवीय तरीके से जैविक बीमारियों (चेचक, हैजा) का उपयोग कर मूल निवासियों को खत्म किया गया। सरकारी अनुमानित आंकड़ों के अनुसार अकेले अमेरिका में मूल निवासियों की जनसंख्या 15वीं सदी से लेकर 18वीं सदी तक 14.5 करोड़ से लेकर मात्र 70 लाख तक पहुंच गई थी। कालोनाइजर इतने में भी संतुष्ट नहीं हुए, और इन 70 लाख से अधिक मूल निवासियों को 'इंडियन रिमूवल एक्ट 1830' के द्वारा पूरे अमेरिका से खदेड़कर मिसिसिपी नदी के पश्चिम में बंजर इलाकों में धकेल दिया गया, इस दुर्गांत घटना को अमेरिका के इतिहास में 'आंसुओं की नदी' के नाम से जाना जाता है। दुनिया के दूसरे हिस्से, जिसमें दक्षिण अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व अन्य द्वीप समूह में भी इसी तरह नृशंस तरीके से वहां के मूल निवासियों को खदेड़ कर नरसंहार किया गया।

कोलंबस डे (12 अक्टूबर 1492) : इस दिन को 'डे ऑफ रेस' अर्थात् यूरोपियन रेस का दिन भी कहा जाता है, इस दिन अमेरिका सहित सभी कोलोनियल देशों के अधिकांश क्षेत्र में राष्ट्रीय अवकाश घोषित है। इस दिन को बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। कोलंबस एक इटेलियन नाविक मार्गदर्शक था, जिसने भारत के लिए समुद्री मार्ग खोजने का आदेश स्पेन के राजा से प्राप्त किया था, लेकिन त्रुटिवश अमेरिकी द्वीप बहामा पहुंच गया। चूंकि भारत से लौटते हुए उसे मसालों की खेप लाने का जिम्मा दिया था, मसालों की प्राप्ति के अभाव में जिसके उलट उसने मूल निवासी महिलाओं को अमानवीय रूप से बंदी बनाकर, वेनिस के बाजार में वेश्यावृत्ति के लिए बेच दिया, कुछ महिलाओं को दरबार के सम्मुख नग्न अवस्था में उपहार स्वरूप प्रस्तुत किया, अगले तीन सौ वर्षों तक मूल निवासी महिलाओं के साथ यही दुर्व्यवहार निरंतर होता रहा। परंतु अमेरिका एवं अन्य कोलोनियल देश जहां आज भी मूल निवासियों पर यूरोपीय रेस द्वारा राज व्यवस्था कायम है उनके लिए कोलंबस का मान राष्ट्र पिता तुल्य है, अमेरिकी राष्ट्रपति क्लिंटन ने अपने राष्ट्रपति आदेश में कोलंबस दिवस को बड़ी ही भव्यता से मनाने का आदेश दिया, और उसे राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया। (राष्ट्रपति क्लिंटन का आदेश संलग्न)

चूंकि कोलंबस डे एक आधिकारिक घोषणा थी जिसे अन्य कोलोनियल राष्ट्रों द्वारा भी मनाया जा रहा था, अमेरिका के लिए इस विवाद को खत्म करना बहुत आवश्यक था।

एबोलिश कोलंबस डे कैंपेन : राष्ट्रपति क्लिंटन की घोषणा द्वारा 8 अक्टूबर 1993 को कोलंबस डे घोषणा के विरोध में पूरे अमेरिकी देश के मूल निवासियों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और कोलंबस डे को मूल निवासी नरसंहार दिवस घोषित करने हेतु दबाव बनाना शुरू किया। चूंकि कोलंबस डे एक आधिकारिक घोषणा थी जिसे अन्य कोलोनियल राष्ट्रों द्वारा भी मनाया जा रहा था, अमेरिका के लिए इस विवाद को खत्म करना बहुत आवश्यक था। इसलिए मूल निवासियों के असंतोष को शांत करने के लिए एक अलग विश्व मूल निवासी दिवस घोषित किए जाने के विकल्प तलाशने शुरू हुए। एक विकल्प, यूएन वर्किंग ग्रुप ऑफ इंडीजिनस पीपल (डब्ल्यूजीआईपी) की पहली बैठक जो कि 9 अगस्त 1982 को हुई थी उसे प्रस्तावित किया गया। चूंकि कोलंबस डे एक वैश्विक आयोजन था जिसमें सभी कॉमनवेल्थ देश शामिल थे इसीलिए इस दिवस को किसी बड़े मंच से घोषित करना आवश्यक था। अतः यू एन जनरल असेंबली के रेजूलेशन 49/214 के द्वारा 9 अगस्त 1982 को आयोजित डब्ल्यूजीआईपी की पहली बैठक के दिवस को 17 फरवरी 1995 में विश्व मूल निवासी दिवस 9 अगस्त घोषित किया गया। साथ ही इंटरनेशनल डिकेट ऑफ द वर्ल्ड इंडीजिनस पीपल (अंतर्राष्ट्रीय मूल निवासी लोगों का दशक) के रूप में मनाने की शुरुआत की गई।

यूनाइटेड नेशन मूल निवासियों के अधिकारों का घोषणा पत्र (13 सितम्बर 2007) : लगभग 12 वर्षों के विचार-विमर्श के बाद भी मूलनिवासियों की परिभाषा पर कोई एक मत पर नहीं पहुंच पाया। यूनाइटेड नेशन के 46 उपबंधों के आखरी उपबंध में यह बात लिखनी पड़ी की यह घोषणा पत्र इसे स्वीकार करने वाले राष्ट्रों पर कोई बाध्यता लागू नहीं करेगा एवं यह घोषणा पत्र हर राष्ट्र के संविधान के दायरे में रहकर अधिकारों के लिए एक नीति दृष्टिपत्र की तरह कार्य करेगा। भारत सरकार ने अपने आधिकारिक मत में इस घोषणा के समर्थन में कहा कि 'भारत ने मूल निवासी लोगों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र घोषणा के पक्ष में इस शर्त पर मतदान किया की स्वतंत्रता के बाद सभी भारतीय भारत के मूल निवासी हैं।' भारत के इस मत का आधार संविधान सभा की बहस के दौरान के.एम. मुंशी, श्री विश्वनाथ दास, बी.आर. आम्बेडकर, श्री जयपालसिंह मुण्डा के बीच हुई सारगर्भित बहस को माना जा सकता है। शुरुआत में विरोध के बावजूद जयपालसिंह मुण्डा ने भी संविधान को अपना पूरा समर्थन दिया। जिसमें भारत के समस्त निवासियों को भारत का मूल निवासी एवं अनुच्छेद 342 के तहत अनुसूचित जनजाति शब्द का प्रयोग किया गया, ना कि आदिवासी अथवा मूल निवासी शब्द का। इसके पीछे संविधान सभा की बहस में भारत के संविधान में जनजातियों के लिए किए गए विशेष प्रावधानों का विशेष महत्व स्पष्ट होता है। भारत के मत से स्पष्ट होता है कि भारत के संविधान में यूनाइटेड नेशन के घोषणा पत्र से कहीं अधिक अधिकार भारत की जनजातियों को प्रदान किए गए हैं। व समय-समय पर भारत की संसद द्वारा जिसमें जनजातियों का संख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व भी है। बनाए जाने वाले कई कानून भी अधिकारों को सुनिश्चित करते हैं।

भारत के संदर्भ में यूनाइटेड नेशन के घोषणा पत्र से मतभिन्नता : भारत चूंकि एक संप्रभु प्रजातांत्रिक राष्ट्र है, इसीलिए मूल निवासियों के घोषणा पत्र में लिखित कुछ बातें भारत के संविधान विरोधी हैं जिसमें स्वअधिकार, दूसरे राष्ट्र की नागरिकता, दूसरे राष्ट्र के धर्म को अपना धर्म, सेल्फ डिटरमिनेशन हेतु, अन्य राष्ट्रों से आर्थिक मदद जैसे कई उपबंध भारत के दृष्टिकोण से अलगाव बढ़ाने वाले व विशिष्ट पहचान के द्वारा भारत की संप्रभुता को कम करने वाले थे। बौद्धिक विमर्श द्वारा भारत की विदेश नीति के जानकारों ने इस बात को प्रमुखता से कहा कि जिन राष्ट्रों पर उनके ही मूल निवासियों पर यूरोपियन देश द्वारा नृशंस नरसंहारों के आरोप आज भी कायम हैं। उन्हें भारत को मूल निवासियों के अधिकारों पर निर्देश देने का कोई नैतिक आधार नहीं है। आवश्यकता है कि यूरोपियन रेस द्वारा शासित देश जिनकी कोलोनियलों में आज भी वहां के मूल निवासी दोयम दर्जे के नागरिक निवासरत हैं। इन राष्ट्रों की संसद अथवा सरकार में मूल निवासियों को प्रतिनिधित्व न के बराबर है। ये कोलोनियल राष्ट्र भारत के संविधान एवं इसकी संसदीय व्यवस्था से सीख लेकर इन राष्ट्रों के मूल निवासियों को अधिकार संपन्न बना सकते हैं। **(क्रमशः)**

पड़ोस

आचार्य विष्णु श्रीहरि

बांग्लादेश की हिंसा वैश्विक राजनीति की उपज

दिल्ली में मुझसे बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के हश्र पर पत्रकारों और बुद्धिजीवियों ने प्रश्न किया। मैंने इसका उत्तर बहुत ही नाखुश करने के तरीके से दिया। मैंने उनसे ही प्रश्न किया कि शेख हसीना का हश्र? शेख हसीना का हस्र कैसा? हस्र तो बांग्लादेश की शांति की हुई है, हस्र तो बांग्लादेश के विकास का हुआ है, हस्र तो बांग्लादेश के कपड़ा मार्केट का हुआ है, हस्र तो बांग्लादेश के लोकतंत्र का हुआ है, हस्र तो अमेरिका और ब्रिटेन के वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ अभियान का हुआ है, हस्र तो संयुक्त राष्ट्रसंघ के लोकतांत्रिक पद्धति का हुआ है, हस्र तो बांग्लादेश की भूखमरी के शिकार और कुपोषित लोगों का हुआ है, हश्र तो शिक्षा व्यवस्था का हुआ है, हस्र तो महिला स्वतंत्रता और विकास का हुआ है, हस्र तो आपदा प्रबंधन का हुआ है। यह कोई क्रांति नहीं है जिसका भ्रम मुस्लिम अतिवादी और मुस्लिम दुनिया के लोग फैला रहे हैं। यह सिर्फ और सिर्फ जिहादी इस्लाम की स्थापना की हिंसा है, जो जमाते इस्लामी की करतूत है। वैश्विक दुनिया अब एक और विफल देश का सामना करेगी, अपने संसाधनों का दुरुपयोग बांग्लादेश जैसे विफल राष्ट्रों के लोगों को जीवनरक्षक समस्याओं पर करेंगे। अभी हिंसक, भक्षक बन कर लोकतंत्र का गला घोटने वाले लोग कल दुनिया के सामने गरीबी और भूखमरी से बचाने

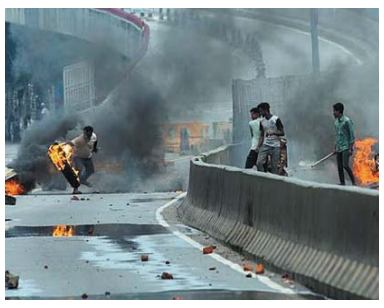

की भीख मांगेगे और मानवता के प्रति कर्तव्य निर्वाह्न का सीख देंगे। यानी आज का हिंसक और भक्षक बांग्लादेश का नागरिक कल अपने आप को प्रभावित होने का पात्र घोषित कर देंगे, ऐसा ही चरित्र दुनिया के मजहबी मुस्लिम आबादी का है। दुनिया पहले से ही अफगानिस्तान, पाकिस्तान, सूडान, सोमालिया, जैसे विफल देशों का सामना कर रही थी और अब बांग्लादेश के रूप मे एक नई समस्या खड़ी हो गई है। भारत के सामने आबादी आक्रमण के तौर पर बहुत बड़ा खतरा उत्पन्न हुआ है। लाखों मुस्लिम आबादी भारत में घुसपैठ करेंगे और भारतीय नागरिक बनकर भारत का लोकतंत्र समाप्त कर देंगे। भारत कितना सावधान रहेगा, यह कहना मुश्किल है। फिलहाल चीन और पाकिस्तान की नीतियों का डंका बज ही गया, उनके मंसूबे पूरे हो गए। अब चीन भारत को और भी आक्रामक ढंग से घेराबंदी करेगा, अपने जासूसी जहाजों से भारत की सामरिक परिस्थितियों की जासूसी कराएगा। अगर भारत पूरी तरह से सावधानी बरते, आत्मघाती मानवता नहीं दिखाए, अपनी तिजोरी बंद रखें तो फिर बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति क्या होगी? बांग्लादेश के लोगों के घरों का चूल्हा कैसे जलेगा, बांग्लादेश के भूख से तड़पते हुए लोगों को रोटी कहां से मिलेगी? हर साल आने वाली बाढ़ और अन्य आपदाओं से लड़ने के लिए पैसे कहां से आएंगे? विश्वविद्यालयों और स्कूलों को पैसा कहां से आएगा? विदेशी आय का एक मात्र साधन कपड़ा मार्केट अपनी शान कैसे स्थिर रख सकता है? गृहयुद्ध को शांत रखने के लिए अतिरिक्त धन कहां से आएगा? क्या चीन और पाकिस्तान पैसा देगा, भूखमरी को थामे था, विकास कराएगा और शांति स्थापित कराएगा? पाकिस्तान तो खुद भूखहड़ है, उसने खुद आतंकवाद के चक्कर में अपना लुटिया डूबा चुका है, दुनिया में कटोरा लेकर भीख मांग रहा है, उसे भीख नहीं मिल रही है, उसे सिर्फ और सिर्फ अपमान व शर्मिंदगी मिल रही है। चीन चने के झांड पर चढ़ा देता है, गुलाम बना लेता है, मोहरा बना लेता है, अपने दुश्मन देश से लड़ा देता है और फिर अपना हित साध लेता है, आर्थिक मदद करने के समय कन्नी काट लेता है, आंखें मूंद लेता है, अपनी तिजोरी बंद कर देता है और संदेश दे देता है कि खुद के भाग्य-भरोसे लड़ो और अपना समाधान करो।

(लेखक स्तंभकार हैं)

राजनीति

प्रो. मनीषा शर्मा

जाति को राजनीति का टूल बनाते राहुल

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर के लोकसभा में राहुल गांधी की जाति पूछे जाने के बाद से देश में जाति को लेकर माहौल गर्माया हुआ है। इससे पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने जाति आधारित जनगणना नहीं करने को लेकर लोकसभा में जो बयान दिया उसके बाद से इस विषय पर लगातार बहस जारी है। जातिगत जनगणना को कराए जाने को लेकर पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने तर्क दे रहा है। विपक्ष लगातार जातिगत जनगणना कराया जाने के समर्थन में अनेक तर्क प्रदान कर रहा है।

देश में जातीयता और फूट डालो राज करो की नीति का जो जहरीला बीज अंग्रेज डाल गए थे। कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों के नेताओं ने उसे खाद-पानी देकर निरन्तर सींचा और अपनी जरूरतों के अनुसार इसका इस्तेमाल किया। आज यह जहर हमारी संपूर्ण फिजाओं में घुल चुका है ।

देश में जनगणना की शुरुआत 1881 में औपनिवेशिक शासन के दौरान हुई। जाति के आधार पर आबादी की गिनती को जातिगत जनगणना कहते हैं इसके अंतर्गत जातियों की उपजाति का भी पता चलता है। उनकी सामाजिक, आर्थिक स्थिति का भी पता चलता है। देश में हर 10 साल में जनगणना होती है। साल 2011 में आखिरी जनगणना हुई थी और अब 2021 की जनगणना होनी बाकी है। पहले

कोरोना महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था लेकिन अब इस प्रक्रिया को सरकार शुरू करना चाहती है। ऐसे में नेताओं ने 2021 की जनगणना में जाति आधारित जनगणना कराने की मांग शुरू कर दी। देश में अनुसूचित जाति और जनजाति की जनगणना इसलिए कराई जाती है क्योंकि संविधान के अंतर्गत उन्हें सदन के अंदर आरक्षण दिया गया है। देश में आखिरी बार जाति आधारित जनगणना 1931 में हुई थी। जब पाकिस्तान और बांग्लादेश भी भारत का ही हिस्सा थे। आजादी के बाद सरकार ने जातिगत जनगणना को नहीं कराने का फैसला लिया। इससे पूर्व 1951 में भी तत्कालीन सरकार के पास जाति आधारित जनगणना कराने का प्रस्ताव आया था लेकिन तब तत्कालीन गृहमंत्री सरदार पटेल ने उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। उनका मानना था कि जातीय जनगणना कराई जाने से देश का सामाजिक ताना-बाना बिगड़ सकता है। स्वतंत्र भारत में 1951 से 2011 तक की हुई हर एक जनगणना में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के आंकड़े प्रकाशित किए गए हैं लेकिन किसी अन्य जातियों के नहीं।

वैश्विक फलक पर भारत का लगातार बढ़ता हुआ कद कई बड़ी वैश्विक शक्तियों की आंख की किरकिरी बना हुआ है। ये वैश्विक शक्तियां नहीं चाहती कि भारत एक महाशक्ति के रूप में विश्व फलक पर उभरे। वह आज भी भारत को पिछड़ा और कमजोर राष्ट्र ही देखना चाहती हैं। वहीं हमारे देश का विपक्ष ऐसे मुद्दों पर ऐसी शक्तियों के साथ लगकर देश में एक तरह से गृह युद्ध जैसा हाल पैदा कर रहा है।

जातीय जनगणना की यह मांग जाति विहीन समाज की परिकल्पना के खिलाफ है। यह देश में सामाजिक भेदभाव को बढ़ाएगी और सामाजिक सद्भाव को कम करेगी। इस जातिगत जनगणना का एक विपरीत असर यह भी होगा कि जो जातियां जातीय जनगणना में ज्यादा है वे ताकतवर होगी। वे अपनी ताकत के बल पर अपने लिए हिस्सेदारी मांगेगी । इससे भी जातिवाद बढ़ेगा समाप्त नहीं होगा। यह समानता के सिद्धांत के खिलाफ ही होगा। जाति आधारित जनगणना के पक्ष में विपक्ष का तर्क है कि यदि सभी जातियों की सही जानकारी पता चले तो उनकी स्थिति के अनुसार भावी योजनाएं बनाने में और लागू करने में सहजता होगी। **(लेखक शिक्षाविद् और लेखक हैं)**

सावन माह पर विशेष

अमित राव पवार

कावड़ यात्रा का आध्यात्मिक और वैज्ञानिक महत्व

हिंदू धर्म में हर माह का अपना एक महत्व व अर्थ है। हर एक हिन्दू माह में महत्वपूर्ण दिन, पर्व, व्रत, उत्सव,त्योहारों का रहस्य छुपा हुआ है। हिन्दू नववर्ष चैत्र मास से प्रारंभ होकर फाल्गुन पर समाप्त होता है। यानी नवरात्रि से लेकर महाशिवरात्रि तक। जहां हिंदू वर्ष आद्यशक्ति से प्रारंभ हो रहा है, वहीं आदिदेव पर वर्ष का समापन होता नजर आता है। यह क्रम चक्र युगों-युगों से चला आ रहा। यहीं हिंदू और सनातन धर्म है। यह सम्पूर्ण संसार स्त्री और पुरुष दोनों से संचालित होता है। यह बात हिन्दू वर्ष प्रारंभ से लेकर समापन तक हमें दिखाई देती है। प्रकृति सदियों से मनुष्य को ऋतु परिवर्तन के साथ उसमें छिपी हर एक बात का संकेत देती है कि मनुष्य प्रकृति के साथ तालमेल करते हुए कैसे स्वस्थ और मस्त रह सकते है।

'हमें शिवशक्ति यह संदेश भी दे रहे हैं। कि सांसारिक परिवार (दांपत्य जीवन) जीवन स्त्री-पुरुष के बिना चलना संभव न के बराबर है। किसी एक के न होने से गृहस्थी डगमगा जाती है।'आज के दौर में जहां यूरोपीय सभ्यता,पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में 'लव इन रिलेशनशिप' का चलन हमारे भारतीय संस्कृति,देश में भी शनैः शनैः शुरू हो रहा है। यह सनातन धर्म या हिंदू धर्म का आधार नहीं है और न ही हमारा सनातन इसे स्वीकारता है। कालगणना के आधार पर भगवान शिव को सबसे अधिक पसंद आने वाला हिंदू धर्म का पांचवां माह सावन का है। इसी माह से आगे आने वाले महीनों में शिव परिवार का आगमन होता है। सावन का संपूर्ण माह शिव के पूजन का,इसके बाद शिव परिवार से श्रीगणेश का आगमन,तत्पश्चात नवरात्रि,माता का आगमन और पुत्र कार्तिक के माह की पूर्णिमा से चातुर्मास का समापन तथा फिर योगनिद्रा (ध्यान) से जागकर श्रीहरि सृष्टि संचालन का कार्यभार संभालते हैं। शिव के निमित सावन माह में निकाली जाने वाली

कावड़ यात्रा मनुष्य जीवन को बहुत कुछ सीख देती है। कावड़ यात्रा जीवन यात्रा का संदेश है। इसका तात्पर्य उद्देश्य,अनुशासन,ईमानदारी, समर्पण,सात्विकता,आत्मविश्वास,धैर्य-सयंम तथा वैराग्य के साथ ईश्वर ताकत से जुड़ना है। इन सब बातों का पारिवारिक जीवन में मनुष्य के समावेश होना अतिआवश्यक है। तभी वह अपने सांसारिक जीवन में सफल हो सकता है। कावड़िया,कावड़ उठाने वाला शिवयोगी के तरह रहता है। जो किसी भी प्राणी का मन,वाणी,कर्म से अहित नहीं करते। ब्रह्मा,विष्णु,महेश तीनों का समावेश इस कावड़ में होता है। धर्मशास्त्र के आधार पर कावड़ में दो जल पात्र जिन्हें ब्रह्मघट व विष्णुघट तथा बांस की डंडी को सुंदर रूप में सजाकर जो प्रतीक है वह शिव के रुद्र रूप को दर्शाता है। इन तीनों का पूजन कर कावड़ यात्रा शिव मन्दिर के लिए आरंभ करते है। कावड़ यात्रा शिवों भूत्वा शिवम जयते अर्थात शिव की पूजा शिव बनकर करो को चरितार्थ करती है। कावड़ यात्रा क्यों,किस लिए और किसके माध्यम से युगों पूर्व प्रारंभ की गई। इन सब बातों का उल्लेख हमारे धर्मग्रंथों में विस्तृत वर्णन के साथ मिलता है। किंतु एक बात यह समझ आती है कि कावड़ यात्रा प्रकृति से जुड़ने का मनुष्य के लिए सरल व आसान माध्यम हिंदू धर्म में हमें दिखाई देता है। वर्षाऋतु के समय चारों ओर हरियाली आंखों की रोशनी को जहां प्रसन्नता से भर देती,वहीं नंगे पांव चलने से शरीर के रक्त प्रवाह संचार को गति मिलती। जिससे अनेक रोगों का नाश होता है। साथ ही साथ यह कावड़ यात्रा शिव के गणों की तरह ही सामाजिक सद्भावना का परिचय देती।

इस यात्रा में हर एक वर्ग के लोग ऊंच-नीच,अमीर-गरीब,मालिक-नौकर,साधु-संत,गृहस्थ हर उम्र के लोग,वैचारिक-व्यवहारिक मतभेद-मनभेद, भुलाकर-मिटाकर सब अपने शिव की इस कावड़ यात्रा में मंत्रमुग्ध होकर बम-बम भोले, हर-हर महादेव जयकारे के साथ प्रकृति के आनंद में सम्मिलित हो जाते है। यही विशेष बात इस भारतीय परंपरा-संस्कृति और धर्म में दिखाई देती है। शिव का प्रकृति से पूजन,कावड़ यात्रा हमको ज्ञान देती है कि शिव के गुणों को आत्मसात करें। काम,क्रोध,मोह,मद,लोभ को त्याग कर मनुष्य को अपना जीवन सत्यम, शिवम, सुंदरम बनाना चाहिए। भगवान शिव की चरण में बैठकर उनके स्वरूप को जाने। श्री शिवपुराण में भगवान शिव महिमा का वर्णन निहित है। शिव प्रकृति संतुलन के देवता भी है। इसलिए उनकी स्तुति तथा वंदना करना सम्पूर्ण सावन माह श्रेष्ठ माना गया है।

(लेखक स्तंभकार हैं)

पदकतालिका

स्थान	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल योग
1.	अमेरिका	24	32	32	88
2.	चीन	23	22	16	61
3.	ऑस्ट्रेलिया	17	12	10	39
4.	फ्रांस	13	16	19	48
5.	ग्रेट ब्रिटेन	12	16	19	47
60.	भारत	0	0	3	3

सार संक्षेप

अंतिम पंघाल राउंड ऑफ 16 कुश्ती मुकाबले में हारी

पेरिस : भारतीय पहलवान अंतिम पंघाल को आज पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 53 किग्रा फ्रीस्टाइल राउंड ऑफ 16 बाउट में तुर्की की जेनेप येटगिल से 10-0 से हार का सामना करना पड़ा है। बुधवार को यहां हुये मुकाबले में पांच बार की अंडर 23 यूरोपीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता तुर्की पहलवान ने पहले पीरियड में ही तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल कर ली। अगर येतगिल फाइनल में जगह बनाती हैं, तो पंघाल गुरुवार को रेपेचेज राउंड के जरिए से पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक के लिए लड़ेंगी।

भारतीय टेटे महिला टीम को क्वार्टर फाइनल में जर्मनी से मिली हार

पेरिस : भारतीय टेबल टेनिस महिला टीम को बुधवार को पेरिस ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जर्मनी की टीम ने 3-1 से हराया। यहां खेले गए मुकाबले में श्रीजा अकुला-अर्चना कामथ और मनिका बत्रा पहले दो मुकाबलों में हार गईं और पांचवीं वरीयता प्राप्त जर्मनी की टीम ने 2-0 की बढ़त बना ली। हालांकि, कामथ ने तीसरे मुकाबले में वापसी करते हुए शान जियाओना को हराया और बढ़त को 2-1 कर दिया। लेकिन चौथे गेम में एनेट कॉफमैन ने क्वार्टर फाइनल का अपना दूसरा मैच जीत लिया और जर्मनी ने सेमीफाइनल में जगह बना ली।

मैराथन रेस वॉक मिश्रित रिले फाइनल में भारतीय टीम 17वें स्थान पर

पेरिस : भारतीय एथलीट सूरज पंवार और प्रियंका गोस्वामी की टीम पेरिस ओलंपिक में मैराथन रेस वॉक मिश्रित रिले फाइनल में पहले एक्सचेंज (11.4 किमी) के बाद 17वें स्थान पर है। भारत रेस में सबसे आगे चल रहे इक्वाडोर से एक मिनट और 17 सेकंड पीछे था, उसके बाद इटली और स्पेन थे। उल्लेखनीय है कि इस रेस में दो और एक्सचेंज बचे हैं। रेस की कुल दूरी 42.195 किमी है।

विनेश मामले में भारत ने विरोध दर्ज कराया है : मांडविया

नई दिल्ली : केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि भारत ने महिला पहलवान विनेश फोगाट के मुद्दे को लेकर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के समक्ष विरोध दर्ज कराया है। मांडविया लोकसभा में दिए वक्तव्य में कहा कि भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को तय कैटेगरी में ज्यादा (100 ग्राम) अधिक होने की वजह से पेरिस ओलंपिक से बाहर होना पड़ा है। विनेश 50 किलो वर्ग में खेल रही थी। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर भारतीय ओलंपिक संघ ने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संघ से कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विनेश ने मंगलवार को तीन मुकाबले जीतकर 50 किग्रा वर्ग कुश्ती ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला रेसलर बनी थीं। सेमीफाइनल में उन्होंने क्यूबा की पहलवान गुजमान लोपेजा को, क्वार्टर फाइनल में यूक्रेन की ओकसाना लिवाच और प्री क्वार्टर फाइनल में विश्व चैंपियन जापान की युई सुसाकी को 3-2 से मात दी थी। उन्हें बुधवार रात करीब 10 बजे स्वर्ण पदक के लिए अमेरिकी पहलवान सारा एन हिल्डरब्रांट से मुकाबला करना था। उन्होंने कहा कि जहां तक उनकी तैयारी के लिए सहायता का प्रश्न है, भारत सरकार ने विनेश की उनकी आश्वयकता के अनुसार हर संभव सहायता प्रदान की है। उसके लिए पर्सनल स्टार भी नियुक्त किया गया है जो कि अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ है। उनके साथ हंगरी के विख्यात कोच वोलेर अकोस और फिजियो अश्विनी पाटिल हमेशा साथ रहते है।

विनेश को मनु का मैसेज- हार मत मानना

● नई दिल्ली,

भारतीय पहलवान विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गई हैं। उन्हें गोल्ड मेडल मैच से 10 घंटे पहले अयोग्य घोषित कर दिया गया है, क्योंकि बुधवार सुबह उनका वजन 50 किग्रा कैटेगरी से 100 ग्राम ज्यादा निकला था।

विनेश के सपोर्ट में पॉलिटिशियन और पूर्व खिलाड़ी भी उतर आए हैं। पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण और गलत बताया। मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने विनेश के खिलाफ साजिश के आरोप लगाए हैं। पेरिस ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाली मनु भाकर ने विनेश को चैंपियन बताया और कहा कि आप हार मत मानना। पेरिस ओलंपिक में भारत को 2 ब्रॉन्ज दिलाने वाली शूटर मनु भाकर ने पर लिखा कि 'दीदी, आप सच्ची चैंपियन हैं। हमें आप पर गर्व है। ये मत सोचिएगा कि आज जो आपको झटका लगा है, उससे आप पिछड़ जाएंगी। आप मजबूत हो। वहीं विनेश के ताऊ महावीर फोगाट ने कहा कि पूरे देश को पदक की उम्मीद थी। मेरे साथ पूरे देश को दुख है। मुझे पता चला है कि 150 ग्राम वजन ज्यादा था जिसके चलते अयोग्य घोषित कर दिया गया। नियमों के हिसाब से फैसला लिया जाएगा। वहीं पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा कि यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है और गलत भी। मुझे उम्मीद है कि अधिकारी इस पर गौर करके कड़ा विरोध जतायेंगे, क्योंकि यह शुरूआती दौर का मुकाबला नहीं था। उन्होंने कहा कि हम मेडल राउंड की बात कर रहे हैं। भारतीय ओलंपिक संघ या भारत सरकार को इसका सख्त विरोध करना चाहिए।

बॉक्सर विजेंदर ने लगाया साजिश का आरोप, सुनील गावस्कर बोले- यह दुर्भाग्यपूर्ण

संभव होता तो मैं अपना पदक विनेश को दे देती : साक्षी मलिक

चंडीगढ़, वार्ता : पहलवान साक्षी मलिक ने पेरिस ओलंपिक्स में वजन मामूली ज्यादा होने के कारण विनेश फोगाट को अयोग्य घोषित किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह किसी भारतीय एथलीट के साथ हुई सबसे विनाशकारी घटना है और ऐसा संभव होता तो वह अपना पदक विनेश को दे देतीं। साक्षी ने ट्वीट किया कि मेरा दिल घबराया हुआ और परेशान है विनेश ने जो किया है वह कल्पना से परे है। यह शायद इस ओलंपिक में किसी भारतीय एथलीट के साथ हुई सबसे विनाशकारी घटना है। हम सोच भी नहीं सकते कि वह किस दौर से गुजर रही होगी। अगर ऐसा संभव होता, तो मैं अपना पदक विनेश को दे देती। पेरिस ओलंपिक में पहलवान विनेश फोगाट का वजन अधिक पाये जाने पर अयोग्य घोषित कर दिया गया।

विनेश तुम हिम्मत व नैतिकता की गोल्ड मेडलिस्ट हो : बजरंग

● चंडीगढ़,

पहलवान बजरंग पुनिया ने बुधवार को पेरिस ओलंपिक्स से वजन मामूली ज्यादा होने के कारण विनेश फोगाट को अयोग्य करार देने के बाद कहा कि विनेश हिम्मत और नैतिकता की गोल्ड मेडलिस्ट हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि विनेश तुम हिम्मत और नैतिकता की गोल्ड मेडलिस्ट हो। माटी की बेटी हो इसलिए ये मेडल भी माटी का है। बहुत हौसले से लड़ी हो। कल जब खेलने से पहले ओलंपिक ऑफिशियल्स ने आपका वजन लिया तो आपका वजन एकदम परफेक्ट था। आज सुबह जो हुआ उसपर कोई यकीन नहीं करना चाहता। 100 ग्राम। यकीन ही नहीं हो रहा कि यह तुम्हारे साथ हुआ है। पूरा देश आंसू नहीं रोक पा रहा है। सब देशों के ओलंपिक मेडल एक तरफ और आपका मेडल एक तरफ। दुनिया का हर इंसान आपके लिए दुआ कर रहा था। दुनिया की हर महिला को यह मेडल पर्सनल मेडल जैसा लग रहा था। काश दुनिया की सब महिलाओं की ये आवाजें सही जगह पहुंच पाएं। उम्मीद करता हूं कि ओलंपिक खेल रहीं दुनिया की सभी महिला पहलवान विनेश के साथ

सॉलीडेरिटी में खड़ी होंगी। गौरतलब है कि पेरिस ओलंपिक में बुधवार को महिलाओं की 50 किग्रा की स्पर्धा से भारतीय पहलवान विनेश फोगाट का वजन कुछ ग्राम अधिक पाए जाने पर उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को विनेश फोगाट ने लगातार तीन मुकाबलों मे जीत दर्ज करते हुए महिलाओं की 50 किग्रा स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई थी।

बुधवार को नई दिल्ली एयरपोर्ट के अपने पदक दिखातीं महिला निशानेबाज मनु भाकर और साथ में कोच जसपाल राणा।

मनु भारत लौटीं, भव्य स्वागत

नई दिल्ली,

पेरिस ओलंपिक की डबल मेडलिस्ट मनु भाकर बुधवार सुबह भारत लौट आईं। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उनका जोरदार स्वागत हुआ। एयरपोर्ट से बाहर आते ही माता-पिता ने गले लगाकर उनका माथा चूम लिया। मनु के साथ उनके कोच जसपाल राणा का भी जोरदार स्वागत हुआ।

हरियाणा के झज्जर की रहने वाली मनु ने विमेंस इंडिविजुअल 10 मीटर एयर पिस्टल में और मिक्स्ड इवेंट में सरबजोत सिंह के साथ मिलकर ब्रॉन्ज जीते थे। वे एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय हैं। देश लौटने पर मनु ने कहा कि मैं बेहद खुश हूं कि इतना प्यार मिल रहा है। मनु पेरिस ओलंपिक की क्लोजिंग सेरेमनी में भारत की ध्वजवाहक होंगी। मनु रविवार को होने वाले क्लोजिंग सेरेमनी के लिए पेरिस लौट जाएंगी। मनु ने पेरिस ओलंपिक के दूसरे ही दिन भारतीय

दिल्ली एयरपोर्ट पर माता-पिता ने माथा चूमा, गले लगाया, कोच जसपाल राणा के साथ खुली गाड़ी में निकलीं

शूटर ने भारत को ब्रॉन्ज दिलाया था। उन्होंने विमेंस 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में 221.7 पॉइंट्स के साथ मेडल जीता। ओलंपिक के इतिहास में शूटिंग में मेडल दिलाने वाली मनु पहली भारतीय महिला हैं। मनु ने अपना दूसरा मेडल अंबाला शूटर सरबजोत के साथ 10 मीटर पिस्टल मिक्स्ड इवेंट में जीता। दोनों की जोड़ी ने कोरियाई टीम को 16-10 से हराया। मनु एक ओलंपिक में दो मेडल जीतने पहली भारतीय बनीं। पेरिस ओलंपिक में मनु और सरबजोत सिंह के अलावा स्वप्निल कुसाले ने भी शूटिंग में ब्रॉन्ज जीता है। कुसाले ने 1 अगस्त को 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन की मेंस कैटेगरी में ब्रॉन्ज जीता था। स्वप्निल ने कुल 451.4 अंक हासिल किए। इस बार के ओलंपिक में अब तक तीनों मेडल शूटिंग इवेंट्स में ही मिले हैं। भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को अधिक वजन के कारण ओलंपिक में महिला कुश्ती 50 किलोग्राम से अयोग्य घोषित कर दिया गया। भारतीय ओलंपिक संघ ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि- हमारी रात भर की कोशिश के बावजूद उन्हें डिस्क्वालिफाइ किया गया है। बुधवार सुबह उनका वजन 50 किलोग्राम से थोड़ा ज्यादा निकला। हॉकी में भारत सेमीफाइनल हारने के बावजूद मेडल रेस में बना हुआ है। ब्रॉन्ज मेडल के लिए 8 अगस्त को भारत का मुकाबला स्पेन से होगा। मंगलवार रात जर्मनी ने भारत को 3-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। जहां उसका सामना नीदरलैंड से होगा जिसने स्पेन का 4-0 से रौंदा था।

दीक्षा डागर पहले राउंड में अदिति अशोक से आगे

पेरिस, वार्ता : भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने बुधवार को पेरिस ओलंपिक में महिला गोल्फ प्रतियोगिता के पहले दौर में दिन को 1-अंडर 71 के साथ समाप्त किया। अपना दूसरा ओलंपिक खेल खेल रहीं पूर्व डेफालंपिक्स चैंपियन ने दिन का अंत 71 के कुल स्कोर के साथ किया, जो अदिति अशोक के पहले स्कोर से एक बेहतर है। डागर ने आज ले गोल्फ नेशनल में दो बर्डी और दो बोगी लगाईं। भारतीय गोल्फरों के लिए पहले दौर की स्थिति की पुष्टि दिन में बाद में की जाएगी जब सभी खिलाड़ी 18-होल का कोर्स पूरा कर लेंगे। इससे पहले अदिति अशोक ने महिलाओं के गोल्फ टूर्नामेंट के पहले राउंड में बराबर का स्कोर किया है। ले गोल्फ नेशनल में 18-होल कोर्स के लिए बराबर स्कोर 72 है, जिसे अदिति अशोक ने आज पूरा किया। अगले तीन दिनों में तीन और राउंड खेले जाएंगे। चार राउंड के आखिर में शीर्ष तीन गोल्फर पेरिस 2024 के पोडियम पर पहुंचेंगे।

फ्रांस में पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में एथलेटिक्स के पुरुषों की 5000 मीटर राउंड 1 के दौरान प्रतिस्पर्धा करते नॉर्वे के नार्वे गिलजे नॉर्डस (सामने), बेल्जियम के जॉन हेमन्स (दाएं से पहले) और इथियोपिया के हागोस गेब्रहिवेट (बाएं से दूसरे)।

फ्रांस में पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में कुश्ती के महिला फ्रीस्टाइल 50 किग्रा रेपेचेज के दौरान अल्जीरिया की इब्तिसेम डोउडोउ के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करती फेंग जिकी (नीले रंग में)।

श्रीलंका से वनडे सीरीज हारी टीम इंडिया

श्रीलंका ने तीसरे वनडे में 110 रन से हराकर 2-0 से जीती सीरीज

● कोलंबो,

अविष्का फर्नांडो (96) और कुसल मेंडिस (59) की शानदार पारियों के बाद दुनित वेल्लालगे (पांच विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम श्रीलंका ने बुधवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में भारत को को 110 रन से हरा दिया है। इसकी के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज 2-0 से जीत ली हैं।

249 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पांचवें ही ओवर मे ए फर्नांडो ने शुभमन गिल (6) को आउट कर भारत को पहला झटका दिया। इसके बाद आठवें ओवर में दुनित वेल्लालगे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को आउट कर पवेलियन भेज दिया। उन्होंने 20 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए (35) रन बनाये। विराट कोहली (20) भी वेल्लालगे का शिकार बने। ऋषभ पंत (6), श्रेयस अय्यर (8), अक्षर पटेल (2), रियान पराग (15), शिवम दुबे (9), कुलदीप यादव

(6) रन बनाकर आउट हुये। वॉशिंगटन सुंदर ने 25 गेंदों में तीन छक्के और दो चौके लगाते हुए 30 रनों की पारी खेली। एक बार फिर भारतीय टीम श्रीलंकाई स्पिन गेंदबाजों के आगेभ भारतीय बल्लेबाजों ने घुटने टेक दिये और पूरी टीम 26.1 ओवर में 138 रन पर सिमट गई। श्रीलंका की ओर से दुनित वेल्लालगे ने 5.1 ओवर में 27 रन देकर पांच बल्लेबाजों को आउट किया। महीश तीक्षणा और जेफ्री वैंडरसे को दो-दो विकेट मिले। असिता फर्नांडो ने एक विकेट लिया। इससे पहले यहां श्रीलंका के कप्तान चरित असलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने भारत को जीत के लिए 249 रनों का लक्ष्य दिया था। बल्लेबाजी करने उतरी पतुम निसंका और अविष्का फर्नांडो की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 89 रन जोड़े। 20वें ओवर में अक्षर पटेल ने पतुम निसंका (45) को ऋषभ पंत के हाथों कैच आउट कराकर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद अविष्का फर्नांडो और कुसल मेंडिस ने फिर से पारी को सभाला। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 82 रनों की साझेदारी की। 36वें ओवर में रियान पराग ने शतक की ओर बढ़ रहे अविष्का फर्नांडो (96) को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। कप्तान चरित असलंका (10) भी पराग का शिकार बने। सदीरा (00) को सिराज ने पगबाधा किया। कुलदीप यादव ने कुसल मेंडिस (59) को आउट किया। जनित लियानगे (8), दुनित वेल्लालगे (2) रन बनाकर आउट हुए।

स्कोर बोर्ड

श्रीलंका	रन	गेंद	4	6
पथुम निसांका का पंत बो पटेल	45	65	5	2
अविष्का फर्नांडो पगबाधा बो पराग	96	102	9	2
मेंडिस का गिल बो कुलदीप	59	82	4	0
असलंका पगबाधा बो पराग	10	12	0	1
सदीरा पगबाधा बो सिराज	00	1	0	0
जेनिथ लियानाज बो सुंदर	08	12	1	0
दुनिथ वेललेज बो पराग	02	3	0	0
कामिंदु मेंडिस नाबाद	23	19	0	1
महेश तीक्षणा नाबाद	03	4	0	0
अतिरिक्त: 02 रन				
कुल : 50 ओवर में सात विकेट पर 248 रन				

विकेट पतन: 1-89 (पथुम निसांका, 19.5 ओवर), 2-171 (अविष्का फर्नांडो, 35.3 ओवर), 3-183 (चरित असालंका, 37.6 ओवर), 4-184 (सदीरा समरविक्रमा, 38.5 ओवर), 5- 196 (जेनिथ लियानज, 42.4 ओवर), 6-199 (दुनिथ वेललेज, 43.3 ओवर), 7-235 (कुसल मेंडिस, 48.4 ओवर)

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
मोहम्मद सिराज	9	0	78	1
शिवम दुबे	4	0	9	0
अक्षर पटेल	10	1	41	1
वॉशिंगटन सुंदर	8	1	29	1
कुलदीप यादव	10	0	36	1
रियान पराग	9	0	54	3

भारत	रन	गेंद	4	6
रोहित शर्मा का मेंडिस बो वेललेज	35	20	6	1
गिल बो एएम फर्नांडो	06	14	0	0
विराट कोहली पगबाधा बो वेललेज	20	18	4	0
पंत स्टंप मेंडिस बो तीक्षाना	06	9	1	0
श्रेयस अय्यर पगबाधा बो वेललेज	08	7	2	0
अक्षर पटेल बो वेललेज	02	7	0	0
रियान पराग बो वेंडरसे	15	13	2	0
शिवम दुबे पगबाधा बो वेंडरसे	9	14	1	0
सुंदर का वेंडरसे बो तीक्षाना	30	25	2	3
कुलदीप पगबाधा बो वेललेज	06	30	0	0
मोहम्मद सिराज नाबाद	00	0	0	0
अतिरिक्त : 01 रन				
कुल : 26.1 ओवर में 138 रन पर ऑलआउट				

विकेट पतन: 1-37 (शुभमन गिल, 4.3 ओवर), 2-53 (रोहित शर्मा, 7.1 ओवर), 3-63 (ऋषभ पंत, 9.2 ओवर), 4-71 कोहली, 10.5 ओवर), 5- 73 (अक्षर पटेल, 12.1 ओवर), 6-82 (श्रेयस अय्यर, 12.5 ओवर), 7-100 (पराग, 15.6 ओवर), 8-101 (शिवम दुबे, 17.3 ओवर), 9-138 (सुंदर, 25.6 ओवर), 10-138 (कुलदीप यादव, 26.1 ओवर)

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
असिथा फर्नांडो	5	0	29	1
महेश थीक्षणा	8	0	45	2
दुनिथ वेललेज	5.1	0	27	5
जेफरी वांडरसे	5	0	34	2
चरित असलांका	3	1	2	0

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)